राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 25 मई 2023 वर्ष–6,अंक–120 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जोशीमठ के बाद बद्रीनाथ में जमीन एक फीट तक धंसी-पुरानी बिल्डिंगों की तोड़फोड़ वजह, चारधाम यात्रा पर खतरा नहीं

देहरादून। उत्तराखंड में जमीन धंसने की आफत थम नहीं रही है। जोशीमठ में दरारों के बाद अब 45 किमी दूर बद्रीनाथ में भी ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। यहां मेन मार्केट में जमीन धंसने की वजह से कुछ दुकानों को हटाया गया है। कुछ जगहों पर बैरिकेडिंग लगाकर आवागमन को रोका गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बद्रीनाथ में 424 करोड़ रुपए के मास्टरप्लान के तहत पुरानी इमारतों की तोड़फोड़ की वजह से करीब एक फीट तक जमीन धंसने की घटनाएं सामने आ रही हैं। दरअसल, मास्टरप्लान के तहत अलकनंदा रिवर फ्रंट डेवलपमेंट का काम चल रहा है। लोगों का आरोप है कि नदी तट पर सुरक्षा दीवार के निर्माण में देरी के कारण कंपन से जमीन धंस हो रहा है। इस बीच, बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के चेयरमैन अजेंद्र अजय के अनुसार आपदा प्रबंधन टीम ने मुआयना किया है। चारधाम यात्रा पर कोई खतरा नहीं है। यह क्षेत्र यात्रा मार्ग पर नहीं है। 17,271 तीर्थयात्रियों ने मंगलवार को बद्रीनाथ धाम के दर्शन किए। बद्रीनाथ में पंचभैया मोहल्ले का मुख्य बाजार भूधंसाव से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां आवाजाही रोकी गई है। नारायणपुरी के बाजार से भी कुछ दुकानों को हटाया गया है। बामणी गांव के पैदल मार्ग में भी हल्की दरारें उभर आई हैं। चमोली के कलेक्टर हिमांशु खुराना ने निरीक्षण किया। बद्रीनाथ होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश मेहता का आरोप है कि बद्रीनाथ मास्टरप्लान के तहत तोड़फोड़ के कारण धंसाव हुआ है। वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती का कहना है कि मास्टरप्लान के तहत जगह-जगह खुदाई की गई है। इससे बने बड़े गड्ढों से होने वाला पानी का रिसाव जमीन धंसने का कारण बन रहा है। इसे रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा दीवार का निर्माण जल्द हो, वरना यह बढ़ेगा।

क्या केजरीवाल दे सकते हैं पीएम मोदी को टक्कर, ताजा सर्वे में जनता ने दिया जवाब

2024 में विपक्ष का चेहरा कौन होगा? एकजुटता की कोशिशों के बीच अब तक यह साफ नहीं हो पाया है। आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल को पीएम मोदी के खिलाफ सबसे बड़ा चेहरा बता रही है। इस बीच एक सर्वे आया है।

नई दिल्ली। 2024 में विपक्ष का चेहरा कौन होगा? एकजुटता की कोशिशों के बीच अब तक यह साफ नहीं हो पाया है। पीएम मोदी के खिलाफ विपक्ष में कई दावेदार ताल ठोक रहे हैं। दिल्ली और पंजाब में सरकार चला रही आम आदमी पार्टी (आप) भी अपने राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पीएम की रेस में बताती है। पार्टी के नेता कहते रहे हैं कि 2024 में केजरीवाल ही नरेंद्र मोदी के खिलाफ सबसे मजबूत विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, इस बीच एक सर्वे सामने आया है जिसमें पीएम मोदी को एक बार फिर सबसे लोकप्रिय बताया गया है। इस रेस में राहुल गांधी दूसरे नंबर पर हैं तो अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे नेताओं को बहुत कम लोगों ने पीएम पद के लिए योग्य माना है।

लोकनीति के सहयोग से एनडीटीवी ने जनता का मूड भांपने के लिए यह सर्वे किया है। 10 मई से 19 मई के बीच 19 राज्यों में किए गए सर्वे में सर्वाधिक 43 फीसदी लोगों ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक बार फिर पहली पसंद बताया है। राहुल गांधी को 27 फीसदी लोग पीएम देखना चाहते हैं। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर हैं, लेकिन दोनों को महज 4 फीसदी लोगों ने पहली पसंद बताया है। वहीं, अखिलेश यादव को 3 फीसदी और नीतीश कुमार को महज 1 फीसदी लोगों ने पीएम बनाने की इच्छा जाहिर की है।

2024 में केजरीवाल ही नरेंद्र मोदी के खिलाफ सबसे मजबूत विकल्प हो सकते हैं। हालांकि, इस बीच एक सर्वे सामने आया है जिसमें पीएम मोदी को एक बार फिर सबसे लोकप्रिय बताया गया है। इस रेस में राहुल गांधी दूसरे नंबर पर हैं तो अरविंद केजरीवाल, नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे नेताओं को बहुत कम लोगों ने पीएम पद के लिए योग्य माना है।

कौन दे सकता है बेहतर चुनौती?

सर्वे में जब लोगों से यह पूछा गया कि पीएम मोदी कौन चुनौती दे सकता है तो 34 फीसदी ने राहुल गांधी का नाम लिया। वहीं, इस मामले में दूसरे नंबर पर अरविंद केजरीवाल हैं। 11 फीसदी लोगों ने उन्हें पीएम मोदी के खिलाफ सबसे बड़ा चैलेंजर बताया। अखिलेश यादव को 5 और ममता बनर्जी को 4 फीसदी लोगों ने बड़ा चैलेंजर माना। वहीं, 9 फीसदी ने कहा कि पीएम मोदी को कोई चुनौती नहीं दे सकता है।

जाने-माने एक्टर नितीश पांडे का निधन, अनुपमा में निभा रहे थे अहम किरदार

मुंबई। टीवी के जाने-माने एक्टर नितीश पांडे का 50 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि वह नासिक के पास शूटिंग कर रहे थे, तब उनकी हालत बिगड़ी। नितीश ने ओम शांति ओम, दबंग 2 और खोसला का घोसला जैसी फिल्मों में काम किया है। वह लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं और कई पॉप्युलर शोज का हिस्सा रहे हैं। बता दें कि बीती रात ही सारा भाई वर्सस सारा भाई एक्ट्रेस वैभवी उपाध्याय की खबर आई थी। 2 दिन पहले ही स्प्लिट्सविला फेम आदित्य सिंह राजपूत भी इस दुनिया में नहीं रहे।

नितीश अनुपमा में अनुज कपाड़िया के दोस्त धीरज कपूर का रोल निभा रहे थे। ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, नितीश के ब्रदर-इन-लॉ सिद्धार्थ नागर ने कन्फर्म किया कि उनका निधन हो चुका है। उन्होंने बताया, मेरे जीजाजी नहीं रहे। मेरी बहन अर्पिता पांडे सदमे में है। नितीश के पिता इगतपुरी उनका पार्थिव शरीर लेने गए हैं। बता दें कि नितीश इगतपुरी होटल में मृत पाए गए। प्रथम दृष्टया मौत की दिल का दौरा लग रही है। पुलिस टीम होटल में मौजूद है और जांच चल रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। उनके करीबियों और होटल स्टाफ से बात की जा रही है।

फैन्स का लगा शॉक– नितीश के निधन की खबर वायरल होते ही उनके फैन्स भी सदमे में हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है। बता दें कि रात में ही साराभाई वर्सस साराभाई एक्ट्रेस वैभवी उपाध्याय के एक्सीडेंट की खबर आई थी। अनुपमा एक्ट्रेस रुपाली गांगुली ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। अब अनुपमा को-एक्टर नितीश के गुजरने की खबर बेहद शॉकिंग है।

राहुल गांधी की बढ़ गई लोकप्रियता, कांग्रेस के समर्थन में भी बंपर उछाल; सर्वे ने बताया हाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भी देश के लोकप्रिय नेताओं की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकप्रियता में भी इजाफा हुआ है। एक ताजा सर्वे में प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के बाद वह दूसरे नंबर पर हैं। यह सर्वे एनडीटीवी ने सीएसडीएस के साथ मिलकर किया है। यह सर्वे मोदी सरकार के नौ साल का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर 19 राज्यों में 10 से 19 मई के बीच आयोजित किया गया था। भाजपा के लिए कर्नाटक में मिली हार के बाद राहत की बात यह है कि सर्वे में शामिल करीब 43 प्रतिशत लोगों का मानना है कि मोदी सरकार को तीसरा कार्यकाल मिलना चाहिए। वहीं, 38 प्रतिशत लोग इसमें भरोसा नहीं करते हैं। वहीं, अधिकांश लोग नरेंद्र मोदी को ही प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहते हैं।

कांग्रेस की स्थिति में सुधार–अगर आज चुनाव होते हैं तो कांग्रेस की स्थिति सुधरती दिख रही है। सर्वे में शामिल 29 प्रतिशत लोग कांग्रेस पार्टी को वोट करने के पक्ष में हैं। वहीं, 2019 के लोकसभा चुनाव में देश की सबसे बड़ी पार्टी को सिर्फ 19 प्रतिशत वोट मिले थे। बीते चुनाव की तुलना में स्थिति सुधरती दिख रही है। यूपीए की बात करें तो बीते चुनाव में उसे 26.1 प्रतिशत वोट मिले थे। यह गठबंधन बीजेपी से चुनाव हार गई थी।

राहुल गांधी की भी लोकप्रियता बढ़ी

एनडीटीवी और सीएसडीएस के सर्वे के मुताबिक, अगर आज चुनाव हुए तो 43 प्रतिशत लोग प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी को अपनी पसंद बता रहे हैं। यह बीजेपी के लिए राहत की बात है। हालांकि, इस सर्वे में कांग्रेस के लिए भी खुशखबरी है। पार्टी को पसंद करने वालों के साथ-साथ राहुल गांधी की भी लोकप्रियता बढ़ी है। 27 प्रतिशत लोगों का मानना है कि अगर आज चुनाव हुए तो राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। आपको बता दें कि 2019 में यह आंकड़ा 24 प्रतिशत था। बीते चार वर्षों में इसमें तीन प्रतिशत का इजाफा हुआ है। राहुल गांधी की लोकप्रिया बढ़ने का एक कारण उनकी भारत जोड़ो यात्रा भी है। सर्वे में शामिल 26 प्रतिशत लोगों का कहना है कि वह हमेशा से उन्हें पसंद करते हैं। वहीं, 15 प्रतिश लोगों का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद उन्हें पसंद करने लगे हैं। 16 प्रतिशत लोग राहुल गांधी को पसंद नहीं करते हैं। 27 प्रतिशत लोगों की कोई राय नहीं थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड के अपने तीन दिवसीय दौरे पर देवघर पहुंची

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड के अपने तीन दिवसीय दौरे पर आज सुबह देवघर पहुंची हैं। राष्ट्रपति इंडियन एयरफोर्स के विशेष विमान से देवघर एयरपोर्ट पहुंचीं हैं जहां झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बाबा वैद्यनाथ धाम में पूजा अर्चना करने के बाद रांची के लिए रवाना होंगी। राष्ट्रपति आज रांची में झारखंड हाईकोर्ट के नए भवन का उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति के झारखंड दौरे को लेकर पुलिस प्रशासन की तैयारी पूरी हो गयी है। राजधानी रांची में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किये गये हैं। रांची में 7 आईपीएस अधिकारी के साथ-साथ 50 डीएसपी, इंस्पेक्टर के अलावे 3000 से अधिक जवानों की तैनाती विभिन्न इलाकों में की गयी है। राष्ट्रपति का कारकेड जिस मार्ग से गुजरेगा, वहां पर तीन लेयर की सुरक्षा व्यवस्था होगी।

दिल्ली-एनसीआर में बरसेंगे बदरा, मिलेगी गर्मी से राहत; तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट भी जारी

नई दिल्ली। मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में सुबह और दोपहल के वक्त भीषण गर्मी तथा लू के थपेड़ों ने लोगों को काफी सताया। शाम को मौसम ने करवट ली और तेज हवाएं चलीं। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में बुधवार से राहत मिलने की उम्मीद है। सुबह के वक्त दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में मौसम सुहाना बना रहा और आसमान में काले बादल भी नजर आए थे। हालांकि जैसे-जैसे दिन चढ़ा धूप भी खिलती गई। लोगों को गर्मी का ऐहसास हुआ है। इधर मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि आज कुछ जगहों पर हवाएं चल सकती हैं। विभाग ने आज के दिन तेज हवाएं चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने यह येलो अलर्ट हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और नॉर्थ राजस्थान के लिए जारी किया है। विभाग ने इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तेज हवाओं से सावधान रहने की सलाह दी है। विभाग ने लोगों से कहा है कि वो घरों में रहें तथा घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद करेंगे। इसके अलावा विभाग ने पेड़ों के नीचे शेल्टर लेने वाले लोगों को भी आगाह किया है।

मौसम विभाग ने यह चेतावनी इसलिए दी है क्योंकि इरान और उसके आसपास के क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ नजर आया है। इसके अलावा सेंट्रल पाकिस्तान में साइकोल्निक सर्कुलेशन भी विकसित हुआ है। जिसकी वजह से 23 मई से लेकर 26 मई तक कई क्षेत्रों में तेज हवाएं भी चलने के आसार हैं। दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां एक्यूआई मध्यम श्रेणी में है। सुबह 9 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 170 पर था। बुधवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। हवाएं 30-35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं।

मौसम वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि बुधवार को दिल्ली में हल्की बारिश और धूल भरी आंधी देखने को मिल सकती है। गुरुवार को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है और धूल भरी आंधी भी चल सकती है। कुछ क्षेत्रों में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे तापमान में पांच डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। 24 मई को अधिकतम तापमान 40 और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री के आसपास दर्ज हो सकता है। 25 मई को भी बादल छाए रहने की संभावना है। इस दिन हल्की से मध्यम बारिश की भी संभावना है। अधिकतम तापमान महज 36 और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री रह सकता है।

मौसम विभाग ने बताया कि बुधवार दोपहर या शाम को बादल छाए रहेंगे और इस दौरान आंधी व हल्की बारिश की संभावना है। स्काईमेट वेदर के अनुसार दो पश्चिमी विक्षोभों के गुजरने से अगले 5-6 दिनों तक लोगों को गर्मी से राहत मिलने काफी उम्मीद है। इस दौरान हल्की और मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है और तेज हवाएं चल सकती हैं।

देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस से मेरठ, मुजफ्फरनगर को भी बढ़ेगी रफ्तार, कितने होंगे स्टॉपेज

नई दिल्ली। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड को पहली वंदे भारत एक्सप्रेस मिलने जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से इस हाईस्पीड ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस ट्रेन के चलने से दिल्ली से देहरादून तक का सफर तो आसान होने के अलावा कई और शहरों को भी सुविधा मिलेगी। दिल्ली से मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, रुड़की और हरिद्वार का सफर इससे आसान हो जाएगा। 8 कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में 6 दिन चलेगी। 25 मई को पीएम मोदी ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे, लेकिन यात्रियों के लिए इसका संचालन 29 मई से शुरू होने जा रहा है।

यह ट्रेन बुधवार को छोड़कर सप्ताह में कुल 7 दिन चलेगी। दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन से रवाना के बाद यह ट्रेन सीधे मेरठ रुकेगी और फिर मुजफ्फरनगर, सहारनपुर के रास्ते देहरादून तक जाएगी। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक ट्रेन देहरादून से सुबह 7 बजे निकलेगी और दोपहर 11~45 बजे आनंद विहार पहुंचा देगी। इसके बाद शाम को 5~50 पर आनंद विहार से रवाना होकर रात को 10~35 पर देहरादून पहुंच जाएगी। इस तरह शाम को दिल्ली से निकलने वाले लोगों को कुछ ही घंटों में देहरादून तक पहुंचने में सुविधा होगी।

रेलवे का कहना है कि यह ट्रेन हरिद्वार स्टेशन पर 4 मिनट के लिए रुकेगी। इसके अलावा सबसे अधिक सहारनपुर में 5 मिनट का स्टॉप होगा। वहीं अन्य स्टेशनों पर दो-दो मिनट के लिए ही ठहराव होगा। अब तक दिल्ली से देहरादून के रूट पर जन शताब्दी एक्सप्रेस सबसे तेज ट्रेन रही है। यह ट्रेन दिल्ली से देहरादून का सफर 5 घंटे 50 मिनट में तय करती रही है। देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत के साथ ही देश में इनकी संख्या 17 हो जाएगी। इससे पहले दिल्ली से अजमेर, कटरा, भोपाल, अंब इंदौरा और वाराणसी जैसे शहरों के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चल चुकी है।

बीते सप्ताह ही ओडिशा को भी वंदे भारत एक्सप्रेस दी गई है, जो पुरी से बंगाल के हावड़ा का सफर तय कर रही है। बता दें कि तेलंगाना को भी दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिल चुकी हैं। रेलवे के सूत्रों का कहना है कि आने वाले एक से डेढ़ साल के अंदर देश भर में करीब 200 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाएंगी। यही नहीं स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी चलाने की तैयारी है। इन ट्रेनों को राजधानी एक्सप्रेस की तर्ज पर चलाया जाएगा। इनके जरिए दिल्ली से ज्यादातर राज्यों की राजधानियों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मणिपुर की चिंता

मणिपुर की राजधानी इंफाल में सोमवार को भड़की हिंसा और आगजनी के बाद कर्फ्यू लगाने, इंटरनेट सेवाएं रद्द करने और सेना बुलाने की राज्य सरकार की विवशता समझी जा सकती है। निस्संदेह, यह दुखद स्थिति है, पर उपद्रवियों को काबू में करने का यह आखिरी रास्ता है, जिस पर कोई भी सरकार मजबूरी में ही कदम बढ़ाती है। पिछले कई हफ्तों से पूर्वोत्तर का यह सूबा अशांत है और वहां बड़ी संख्या में मैतेई व कुकी समुदाय के लोगों को हिंसा की वजह से अपने ही प्रदेश में दरबदर होना पड़ा है। अनगिनत घरों, उपासना स्थलों के राख होने और करीब 70 लोगों की मृत्यु के ब्योरे हालात की गंभीरता बताने के लिए काफी हैं। विडंबना यह है कि इस सूरते-हाल में जिन लोगों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सामाजिक वैमनस्य व सामुदायिक खटास को मिटाने की कोशिश करेंगे, वही आग में घी डालने की कार्रवाई कर रहे हैं। सोमवार को भड़की हिंसा के लिए एक पूर्व विधायक और उनके कुछ समर्थकों की गिरफ्तारी इसकी तस्दीक करती है। आरोप है कि पूर्व विधायक और उनके समर्थकों ने हथियार के जोर पर समुदाय विशेष के लोगों को अपनी दुकानें बंद करने को बाध्य किया, जिसके कारण इंफाल में हिंसा नए सिरे से भड़क उठी। यही नहीं, राज्य के कई सत्तारूढ़ विधायकों के सियासी सुर भी उकसाने वाले सुनाई पड़े हैं, जबकि उन्हें इस वक्त ऐसे किसी भी बयान या कदम से खास परहेज बरतना चाहिए, जो राज्य और केंद्र सरकार की शांति-स्थापना की कोशिशों को पलीता लगाते हों। इस वक्त शांति मणिपुर की पहली आवश्यकता है। इसके दो बड़े जातीय समुदायों के दिलों में एक-दूजे के लिए जो कटुता पैदा हुई है, उसे पाटने की हरमुमकिन कोशिश की जानी चाहिए। यह अफसोसनाक है कि जब केंद्र सरकार की राजनीतिक-आर्थिक सक्रियता से पूर्वोत्तर में स्थायी शांति की उम्मीदें जगने लगी थीं और लगने लगा था कि देश की मुख्यधारा से उसका जुड़ाव बढ़ रहा है, तब हिंसा के इस सिलसिले ने नई आशंकाओं और शक-शुब्हे को जन्म दे दिया है। मणिपुर की स्थिति पर इसलिए भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि पूर्वोत्तर के राज्यों का समूचा ताना-बाना एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है और इन राज्यों में कई जातीय समूहों के बीच हितों के टकराव का एक लंबा इतिहास है। ऐसे में, यदि मणिपुर के हालात लंबे वक्त तक तनावपूर्ण बने रहे, तो इसकी आंच अन्य सूबों में पहुंच सकती है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों को विश्वास बहाली के लिए स्थानीय नेताओं को भरोसे में लेना चाहिए। हमने उपद्रवग्रस्त पंजाब, जम्मू-कश्मीर में यह देखा है कि ऊपर से थोपी गई रणनीति के बजाय स्थानीय कोशिशें ज्यादा प्रभावी साबित हुई थीं। पूर्वोत्तर में केंद्र सरकार ने पिछले नौ वर्षों में जितनी योजनाएं शुरू की हैं, उन्हें पूरा करने के लिए वहां शांति की दरकार है। फिर पूर्वोत्तर की सरकारों को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे जिस 'सशस्त्र बल विशेष शक्तियां कानून' को हटाने के मनसूबे बांध रही हैं, यह तभी मुमकिन होगा, जब वहां स्थायी शांति की कोई सूरत नजर आएगी। वैसे भी सरहदी इलाका होने के कारण देश की सुरक्षा के लिहाज से इनमें से कई प्रांत संवेदनशील हैं। इसलिए मणिपुर में जल्द शांति बहाल हो और लोगों की जिंदगी पटरी पर लौटे, इसके लिए बीरेन सिंह सरकार को उपद्रवियों के खिलाफ सख्ती के साथ-साथ पीड़ितों के जख्म पर मरहम रखना होगा।

आमजन को कांग्रेस से जोड़ने के लिए मैदान में उतरे हरीश रावत !

(लेखक - डॉ. श्रीगोपाल नारसन)

हरीश रावत ने कांग्रेस से जुडो अभियान की 51 यात्राएं करने व आने वाले सभी चुनाव में कांग्रेस को ताकत देने का प्रण लिया है। पहाड हो या मैदान ,शहर हो या गांव ,घर हो या चौपाल ,शायद ही ऐसी कोई जगह हो, जहां पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत का अपना कोई कार्यकर्ता मौजूद न हो। प्रत्येक कार्यकर्ता के दु:ख -सुख के साथी कहे जाने वाले हरीश रावत की एक बडी विशेषता यह भी है कि उन्हे अपने हर कार्यकर्ता का नाम व पता याद रहता है। किस कार्यकर्ता से उन्हें क्या काम लेना है ,कैसे काम लेना है और कार्यकर्ता को क्या सम्मान देना है ,यह भी हरीश रावत को बखूबी आता है

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने उत्तराखण्डियत पर साढ़े छः सौ पृष्ठों की पुस्तक लिखने और उसका विमोचन जगद्गुरु शंकराचार्य से कराने के बाद अब फिर से कांग्रेस को सींचने का काम शुरू कर दिया है। इसके लिए उन्होंने लोगो को कांग्रेस से जोड़ने के लिए मार्मिक अपील भी की है,साथ ही कांग्रेस से जुड़िए कार्यक्रम की शुरुआत रुड़की के ढंढेरा से नगला इमरती तक पदयात्रा द्वारा करके लोगो के समर्थन की नब्ज़ भी टटोल ली है। हरीश रावत ने अपनी अपील जिसे वे घर घर जाकर बांट रहे है,में कहा है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस समाज के सभी वर्गों,समुदायों ,धर्मो और जातियों को साथ लेकर चलती है।वही पहले जाति आधारित राजनीति करके और अब हिन्दू-मुसलमान के आधार पर समाज को बांटने वाली पार्टियों ने कांग्रेस के जनाधार को कमजोर किया है।वही उक्त पार्टियों के कारण देश भी कमजोर हुआ है।जबकि कांग्रेस सर्वधर्म समभाव अपनाते हुए सबके कल्याण के लिए तत्पर रहकर अमीर गरीब के बीच की खाई को पाटने,देश के किसानों, मजदूरों, नोजवानो, महिलाओं, दलितों,पिछडो,अतिपिछडो, अल्पसंख्यको ,कर्मचारियों, व्यापारियों के प्रति व्याप्त असम्मान व आर्थिक विषमता के प्रतिकूल समय मे कांग्रेस उनके पक्ष में संघर्ष के लिए आगे आ रही है।यही कांग्रेस का संवैधानिक धर्म है और महात्मा गांधी,डॉ भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों को आगे लेकर चलने का संकल्प भी है।जिसके लिए हरीश रावत ने कांग्रेस से जुडो अभियान की 51 यात्राएं करने व आने वाले सभी चुनाव में कांग्रेस को ताकत देने का प्रण लिया है। पहाड हो या मैदान ,शहर हो या गांव ,घर हो या चौपाल ,शायद ही ऐसी कोई जगह हो, जहां पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत का अपना कोई कार्यकर्ता मौजूद न हो। प्रत्येक कार्यकर्ता के दु:ख -सुख के साथी कहे जाने वाले हरीश रावत की एक बडी विशेषता यह भी है कि उन्हे अपने हर कार्यकर्ता का नाम व पता याद रहता है। किस कार्यकर्ता से उन्हें क्या काम लेना है ,कैसे काम लेना है और कार्यकर्ता को क्या सम्मान देना है ,यह भी हरीश रावत को बखूबी आता है। मुख्यमन्त्री पद पर रहते हुए और मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतरने के बाद भी वे अपने कार्यकर्ताओ को वही मान सम्मान देते रहे है जो पहले से देते आए है। छोटे से छोटे कार्यकर्ता के महत्व और सम्मान को तरजीह देने में माहिर हरीश रावत को अपने कार्यकर्ताओं के बीच रहकर विशेष उर्जा मिलती है। तभी तो मुख्यमन्त्री आवास रहा हो या उनकी कोई जनसभा या फिर उनका अन्य कोई कार्यक्रम ,जब तक कार्यकर्ताओं से वे घिरे न हो, तब तक उन्हे आनन्द की अनुभूति नही होती। अपने छोटे से छोटे घरेलु कार्यक्रमों में भी वे अपने आम और खास कार्यकर्ताओं को आमन्त्रित करना नही भूलते, वही वे यह भी कौशिश करते है कि सभी कार्यकर्ताओं के यहां उनके सुख दु:ख के अवसरो पर हाजिरी दे सके। उनके इसी गुण के कारण उनके कार्यकर्ता उनके लिए उनके विरोधियों से भी भिड जाते है और हरीश रावत के पैरोकार बनकर चुनाव के समय उन्हे सफलता के सौपान तक पहुंचाते है। हालांकि हरीश रावत को कई बार चुनावी असफलताए भी झेलनी पडी है परन्तु न तो हरीश रावत का और न ही उनके कार्यकर्ताओं का मनोबल कम हुआ है।आज भी ऐसे कई कार्यकर्ता है ,जिन्हे हरीश रावत सरकार बन जाने पर भी कुछ नही दे पाए,लेकिन न तो हरीश रावत यह बात भूलते है और न ही उनके वे कार्यकर्ता उनसे रूठते है। वे फिर भी कन्धे से कन्धा मिलाकर हरीश रावत के उत्तराखण्डियत मिशन में न सिर्फ भागीदार बन रहे है बल्कि आमजन के बीच जाकर हरीश रावत सरकार के समय की उपलब्धियों को भी बता रहे है। तभी तो पहाड के सरंक्षण, संवर्धन और विकास के लिए उत्तराखण्ड राज्य के विकास की जो परिकल्पना की गई थी वह विकास परिकल्पना हरीश रावत का दावा है, कांग्रेस सरकार आने पर साकार हो सकेगी। हरीश रावत राज्य के समग्र विकास के साथ चार धाम यात्रा,अमरनाथ यात्रा और मानसरोवर यात्रा के माध्यम से पहाड पर रह रहे लोगो की रोजी रोटी के साधन बनाने में भी जुटे रहते है। उन्होंने अपनी सरकार के समय पर्वतीय क्षेत्र को प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए भी कार्ययोजना तैयार की थी। जिसके तहत भूस्खलन एवं भूकम्प से होने वाले नुकसान को बचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल था।राज्य को विकास व उपलब्धियो के रास्ते पर ले चलने में कामयाब हो जाने पर भी हरीश रावत को पिछले चुनाव में जीत नही मिल सकी थी।जिसके पीछे आम जनता तक पहुंच बनाकर आम जनता को कांग्रेस व सरकार की उपलब्धिया न बताने से जीत के लक्ष्य को प्राप्त करने में कांग्रेस विफल रही थी। उत्तराखण्ड की राजनीति में कांग्रेस के वर्चस्व को बनाये रखने और मिशन 2024 को फतेह करने के लिए कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा,नेताप्रतिपक्ष यशपाल आर्य और पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत एक जुटता चल रहे है। हरीश रावत पार्टी की मजबूती के लिए चलाये जा रहे कांग्रेस से जुड़िए अभियान को सफ़ल बनाने में कारगर हो रहे है। हरीश रावत चाहते है कि पहाड या मैदान उत्तराखंड के विकास कार्यो में कोई ठहराव न आने पाए। जिस पहाड और मैदान की संस्कृति तथा उसके भोलेपन पर सारी दुनिया फिदा है ,उसके महत्व को हरीश रावत ने समझा है। पहाड की हरियाली ,उसकी खूबसूरती, उसकी जडी बूटी व पहाड़ी व मैदानी व्यंजनों जैसी विरासत को बचाने के लिए हरीश रावत हमेशा सक्रिय रहे है। पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत की सोच है कि पहाडी क्षेत्रो मे रहकर पहाड की सांस्कृतिक विरासत को जिन्दा रखा जाए क्योकि जब तक पहाड को अपनी आत्मा समझकर हम पहाड को सरंक्षित करने की पहल नही करेगे, जब तक पहाड की मजबूती और सुन्दरता के लिय पहाड पर नये वृक्षो का रोपण नही करेगे, जब तक विकास के नाम पर बारूद से पहाड तोडने के लिय विस्फोट करना बन्द नही करेगे, जब तक पहाड मे आत्म स्वावलम्बन के लिय रोजगार का सृजन नही करेगे, तब तक पहाड को बचा पाना मुश्किल भरा रहेगा । इसके लिए आम जनमानस की एकजुटता, सगंठन शक्ति, उत्साह ,जोश और स्फूर्ति की आवश्यकता है जो कभी नये राज्य की मॉग को लेकर पैदा हुई थी । शायद पहाड की रक्षा और स्वयं के स्वाभिमान को बचाने के लिए लोगो को परेशानी भी उठानी पडे, लेकिन पहाड की खुशहाली लौटाने के लिए यह जरूरी भी है। तभी पहाड का भोलापन ,उसकी महक व संस्कृति बची रह सकती है। इस पुनीत प्रयास को पूरा करने के लिए हरीश रावत उत्तराखंड के लोगो की चाहत के तहत आगे आ रहे है जो आम जनमानस के उत्थान के साथ ही उत्तराखण्ड की उन्नति और खुशहाली के लक्ष्य को सहज रूप में प्राप्त करेगा। इस लिए कांग्रेस को चाहिए कि अब वह मिशन 2024 की खातिर आपसी गुटबाजी को छोड़कर जनता का विश्वास जीतने व लोगो को कांग्रेस से जोड़ने के लिए जिम्मेदार नेताओं को हरीश रावत के साथ मैदान में उतारे।(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

(डॉ. श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट)

आज का सफल राजनीतिक विजेता

(लेखक - सुनील माथुर)

शासन पाना व चलाना राजनीति का अहम कदम है। जिसके पास राजनीति के निपुण व कौशल गुण है वहीं शासन पाने एवं चलाने का सही उत्तराधिकारी है। राजनीतिक क्षेत्र में कई आये और कई चले गये, कुछ नाम कमा गये तो कुछ नाम गवां बैठे। शासन पर कब्जा पहले बलपूर्वक हुआ करता था, जिसके पास ताकत शासन की बागडोर उसी के हाथ होती। आज ताकत ने राजनीतिक चाल की जगह ले ली है। जहां साम, दाम दंड, भेद की नीति प्रमुख है। जिसके पास यह चाण्यकय नीति है, वहीं आज का सफल राजनीतिक विजेता है। इस कड़ी में स्वतंत्र भारत के बदलते राजनीतिक परिवेश को देखा व परखा जा सकता है। वर्तमान में शासन की बेहतर पकड़ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राजनीतिक कद काफी उच्चा हो गया जहां विकल्प फिलहाल कोई नजर नहीं आ रहा । इसी कारण सत्ता में एक दशक से लगातार बने रहने के वावजूद भी विपरीत परिस्थितियों में भी फिर से सत्ता में वापसी के आसार नजर आ रहे है। इस दौरान देश के प्रदेश की राजनीति में भले बदलाव हुआ हो पर केन्द्र के मामले में देश में सर्वाधिक रूप से एक ही स्वर मोदी - मोदी गूंजता नजर आया जिसने नरेन्द्र मोदी का कद पार्टी से भी उपर उठा दिया। एक समय इसी तरह का स्वर पूर्व में कांग्रेस में भी तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के लिये गूंज उठा था जहां कांग्रेस की पहचान इंदिरा गांधी बन गई । राजाओं को दिये जाने वाले प्रीवी पर्स बंद कर एवं बैंको का राष्ट्रीयकरण कर जिस तरीके से भारतीय जनमानस में समा गई, उसी तरह नरेन्द्र मोदी आपने शासन काल में गांधी जयन्ती पर स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत कर, कश्मीर से 370 धारा हटाकर, अयोध्या के मंदिर - मस्जिद विवाद को मिटाकर एवं मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाकर भारतीय जनमानस के चहेते बन गये जिन्हें फिलहाल सत्ता से बेदखल करना आसान नहीं। आज भाजपा पार्टी इनके नाम से जानी जाती है, इसी कारण पार्टी में भी इनके खिलाफ आवाज उठने की संभावना दूर तक नजर नहीं आती।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल की कुछ उपलब्धियों पर एक नजर डाले जहां 2014 में केन्द्र की सत्ता संभालते ही शासन की बागडोर अपने नियंत्रण में लेते हुये काला धन मिटाने की दिशा में नोट बंदी कर देश को नया मुद्रा प्रदान करने, सब्सीडी को जनधन योजना के माध्यम से सीधे तौर पर बैंक खातें में भेजने, उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब परिवार को एलपीजी गैस, गैस चूल्हें देने, कोरोना काल में युद्ध स्तर पर टीकाकरण, दवाई एवं नि:शुल्क राशन की वितरण की व्यवस्था, प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीब परिवारों को आवास, युवा बेरोजगार के लिये कौशल योजना, लघु उद्यमियों के लिये मुद्रा योजना, एक देश एक कर की योजना के तहत जीएसटी, मेक इन इंडिया, स्कील इंडिया मिशन,मेगा पेंशन स्कीम, संसद आदर्श ग्राम योजना,बेटी बचाओ बंटी पढ़ाओ,, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्र योजना, श्रम योगी मान धन, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, उदय योजना सहित अनेक लाभकारी जनोपयोगी योजनाओं के लागू करने के साथ -साथ भ्रष्टाचारियों की धड़ पकड़, सेना में नये आयाम लाकर एवं विदेशों की गौरवमयी यात्रा के माध्यम से आज नरेन्द्र मोदी लोकप्रियता के सर्वोपरि शिखर पर विराजमान है। जहां से गिराना आसान नहीं। आज शासन पर अच्छी पकड है। बेहतर नेतृत्व है। आमजन को सम्मोहित करने की वाक शक्ति है। अपनी इस विशेष छवि के चलते नरेन्द्र मोदी आज प्रधानमंत्री के नये आयाम स्थापित करने में सफल दिख रहे है। जहां लोकप्रियता के साथ - साथ आत्म विश्वास, शासन की अच्छी पकड़ एवं दूर दृष्टि है। भारत का परचम विश्व में लहराने की इनमें अदभूत शक्ति छिपी है।

अभी हाल ही में प्रधानमंत्री की जी 7 शिखर सम्मेलन विदेश यात्रा के दौरान देखने को सबकुछ मिल रहा है जहां भारत का कद सर्वोपरि नजर आ रहा है। कई दिनों से यूक्रेन एवं रूस के बीच चल रहे मानव अहितकारी युद्ध को रोकने की पहल करने की प्रक्रिया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस विदेश यात्रा के दौरान देखी जा सकती है, जो भारत के शांतिमय उदेश्य को दर्शाता है। इस विदेश यात्रा में भारत की हर जगह साख बढी है। जिसे नकारा नहीं जा सकता। श्री नगर में जी-20 का आगाज भी भारत की विश्व में बढ़ी साख को दर्शाता है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

आज का राशीफल

मेष	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।
वृषभ	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
मिथुन	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।
कर्क	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।
सिंह	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।
तुला	आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
वृश्चिक	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
धनु	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कुम्भ	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।
मीन	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

हथेली में दही जमाने वाले नेता हैं मोदी

(लेखक/-सनत कुमार जैन)

-दुनिया के बड़े-बड़े कारोबारी भी हैरान

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हथेली में दही जमाने की कला को जानते हैं। मीडिया में पिछले 3 दिनों से प्रधानमंत्री का विदेश दौरा को कवर किया जा रहा है। फिजी ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान कंपेनियन ऑफ आर्डर ऑफ फिजी से सम्मानित किया है। वही पापुआ न्यू गिनी ने भी प्रशांत द्वीप देशों की एकता का समर्थन करने पर सर्वोच्च सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहु से सम्मानित किया है। पापुआ न्यू गिनी के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत पैर पडकर किया है। जिसकी भारतीय मीडिया में पिछले तीन दिनों से बड़ी चर्चा हो रही है।। मंगलवार को भारतीय मीडिया में आस्ट्रेलिया के भारतीय प्रवासियों के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीज भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम की, बड़ी चर्चा भारतीय मीडिया में हो रही है। 2020 में जैसे अमेरिका में हाउडी मोदी का कार्यक्रम हुआ था। उसकी याद ऑस्ट्रेलिया के इस कार्यक्रम ने ताजा कर दी है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत विदेशों में बड़ी धूमधाम से होता है। मोदी के पंहुचने पर विदेशों में प्रवासी भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम इवेंट की तरह करते हैं। उन देशों के राष्ट्राध्यक्ष भारतीय प्रवासियों के कार्यक्रम में शामिल होते हैं। इस तरह के कार्यक्रम से प्रधानमंत्री की लोकप्रियता देश और विदेश में बड़ा असर छोड़ती है।

दुनिया भर के विभिन्न देशों में भारत के 1.8 करोड़ प्रवासी भारतीय हैं। प्रवासी भारतीयों की सबसे बड़ी संख्या यूएई में है। जहां 35 लाख प्रवासी भारतीय रहते हैं। उसके बाद अमेरिका में 27 लाख और सऊदी अरब में 25 लाख प्रवासी भारतीय हैं। ऑस्ट्रेलिया में भी 7 लाख के करीब प्रवासी भारतीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ताकत को समझा, और इसका फायदा राजनैतिक एवं व्यापारिक संबंधों में लिया। अमेरिका में 2020 के दौर में मोदी ने भारतीय प्रवासियों के बीच हाउडी मोदी का कार्यक्रम रखा। जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की प्रशंसा की। इसकी आलोचना भारत और अमेरिका में भी उस समय हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप हार गए, और बाईडन चुनाव जीत गए। भारत और अमेरिका के रिश्ते में इस कार्यक्रम के कारण फर्क पड़ा। अमेरिका की नई सरकार ने कई महीने भारत में अपना राजदूत नियुक्त नहीं किया। वीजा को लेकर भी अमेरिका के प्रवासी भारतियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। लेकिन इसका फायदा भारतीय मतदाताओं के बीच लोकप्रियता बढ़ाने में मोदी सफल रहे । ऑस्ट्रेलिया के चुनाव में प्रवासी भारतीयों ने खुलकर एंथोनी अल्बनीज का समर्थन किया। 10 साल बाद लेबर पार्टी वहां चुनाव जीती। 22 मई 2022 को एंथोनी अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री बने। ऑस्ट्रेलिया में 7 लाख अप्रवासी भारतीय रहते हैं। चुनाव में अलबनीज ने भगवा गमछा पहन कर प्रवासी भारतीयों के बीच चुनाव प्रचार किया, जो उनकी जीत का बड़ा कारण बना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आस्ट्रेलिया दौरे में इसको भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। 20000 प्रवासी भारतियों के समारोह में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अलबनीज भी पहुंचे। इसका फायदा दोनों राष्ट्राध्यक्षों के मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन देशों में भारतीय समुदाय बड़ी संख्या में रह रहा है। वहां पर उस समुदाय को एकत्रित कर वहां की राजनीति में उन्हें महत्वपूर्ण भूमिका में लाने का प्रयास किया है। उन देशों के प्रमुख राजनेताओं के बीच भारत की ताकत को प्रदर्शित करने का उन्होंने कोई मौका नहीं छोड़ा। निजी तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका सबसे बड़ा फायदा भारत में हुआ। विदेशों में उनकी लोकप्रियता शिखर पर है। इसका फायदा वह भारत में लेते हैं। मोदी की इस नीति के कारण, अमेरिका में प्रवासी भारतीयों को मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योग्यता और दूरदर्शिता के मामले में बड़े बड़े कारोबारी भी ब्रांडिंग, और हर मौके पर किस तरह से आर्थिक एवं राजनैतिक फायदा उठाया जा सकता है। इसको लेकर वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बड़े प्रभावित हैं। जिस तेजी के साथ अपने आप को बदलकर, अपने लिए नई अनुकूलता मोदी बना लेते हैं। बड़े बड़े कारोबारियों और राष्ट्राध्यक्षों के लिए भी आसान नहीं है। इस सफलता में मोदी के लिए भारतीय मीडिया भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। विदेशों में बसे प्रवासी भारतीयों का लाभ लेने का जो तरीका मोदी ने अपनाया है। इससे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने इस ओर सोचा भी नहीं था।

लेनोवो इंडिया ने वित्त वर्ष 22-23 में 1.9 अरब डॉलर का राजस्व किया प्राप्त

मुंबई । उपभोक्ता प्रौद्योगिकी प्रमुख लेनोवो ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 22-23 में भारत में कुल 1.9 अरब डॉलर का राजस्व प्राप्त किया। उद्योग और वैश्विक अनिश्चितताओं के एक साल के बाद, लेनोवो ने कहा कि वह बाजार में स्थिरता के सकारात्मक संकेत देख रहा है। यह पीसी और स्मार्ट डिवाइस के बाजार में 2023 की दूसरी छमाही में साल-दर-साल वृद्धि की उम्मीद करता है। लेनोवो इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर शैलेंद्र कात्याल ने कहा, हम पीसी सेगमेंट में मंदी का अनुभव कर रहे हैं, सॉल्यूशंस एंड सर्विस ग्रुप (एसएसजी), मोटोरोला और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस ग्रुप (आईएसजी) के हमारे विकास इंजनों ने मंदी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, हमने भारत में स्थानीय प्रतिभाओं और क्षमताओं के पोषण में निवेश कर इस वृद्धि का समर्थन किया है और भारत में 5 मिलियन से अधिक उत्पादों के साथ अपनी स्थानीय विनिर्माण उपस्थिति का विस्तार करना जारी रखा है। जहां डिवाइस मार्किट में नरमी के चलते ग्रुप रेवन्यू प्रभावित हुआ, वहीं नॉन-पीसी बिजनेस से रेवन्यू लगभग 40 प्रतिशत के वित्तीय वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जिसे सॉल्यूशंस एंड सर्विसेज ग्रुप (एसएसजी) और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस ग्रुप (आईएसजी) ने बढ़ावा दिया। ताजा आईडीसी रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पारंपरिक पीसी बाजार में, लेनोवो 37.5 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद 2023 की पहली तिमाही में 15.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

एप्पल ने ब्रॉडकॉम के साथ अरबों डॉलर के एग्रीमेंट की घोषणा की

सैन फ्रांसिस्को । एप्पल ने एफबीएआर फिल्टर और अत्याधुनिक वायरलेस कनेक्टिविटी कंपोनेंट्स सहित 5जी रेडियो फ्रीक्वेंसी कंपोनेंट्स को डेवलप करने के लिए अमेरिका स्थित टेक्नोलॉजी और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग कंपनी ब्रॉडकॉम के साथ अरबों डॉलर के एग्रीमेंट की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, एफबीएआर फिल्टर को फोर्ट कॉलिन्स, कोलोराडो सहित कई प्रमुख अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी हब्स में डिजाइन और निर्मित किया जाएगा, जहां ब्रॉडकॉम की प्रमुख सुविधा है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा, एप्पल के सभी प्रोडक्ट अमेरिका में तैयार और निर्मित होते हैं और हम अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अपने निवेश को और मजबूत करना जारी रखने वाले हैं, क्योंकि अमेरिका के भविष्य में हमारा अटूट विश्वास है। इसके अलावा, कंपनी ने कहा कि एप्पल पहले से ही ब्रॉडकॉम के फोर्ट कॉलिन्स एफबीएआर फिल्टर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में 1,100 से अधिक नौकरियों में मदद कर रहा है, और साझेदारी ब्रॉडकॉम को महत्वपूर्ण स्वचालन परियोजनाओं और तकनीशियनों और इंजीनियरों के साथ अपस्किलिंग में निवेश जारी रखने में सक्षम बनाएगी। देश भर में, एप्पल 2.7 मिलियन से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देता है। 2020 में एप्पल डिवाइस के लिए 5जी टेक्नोलॉजी की शुरूआत के साथ, कंपनी ने देश भर में 5जी अपनाने में तेजी लाने में मदद की है, जिससे 5जी इनोवेशन का समर्थन करने वाली कंपनियों के लिए इनोवेशन और जॉब में वृद्धि हुई है।

'महंगाई से जंग अभी खत्म नहीं हुई: आरबीआई गर्वनर दास

नई दिल्ली । (एजेंसी)

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, हालांकि महंगाई हाल के दिनों में कम हुई है, लेकिन इसके खिलाफ भारत की जंग अभी भी जारी है और आत्मसंतोष के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा ब्याज दर में वृद्धि को रोकना उनके हाथ में नहीं है, यह उस समय की जमीनी स्थिति पर निर्भर करता है। उन्होंने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कार्यक्रममें कहा, 'महंगाई से जंग अभी खत्म नहीं हुई है। हमें सतर्क रहना होगा और आत्मसंतोष का कोई कारण नहीं है। हमें देखना होगा कि अल नीनो का प्रभाव कैसा रहता है।' उन्होंने कहा कि रिटेल महंगाई के अगले आंकड़े में महंगाई दर के घटकर 4.7 फीसदी से नीचे आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के अच्छे प्रदर्शन और इसकी बैंकिंग प्रणाली के लचीलेपन के दम पर, 2022-23 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि 7 फीसदी से अधिक हो सकती है। वित्त वर्ष 24 में, भारत की जीडीपी 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'यह आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर पिछले साल की जीडीपी वृद्धि 7 फीसदी से थोड़ी अधिक आती है।'

आरबीआई गर्वनर दास के अनुसार, भारत का कृषि क्षेत्र अच्छा कर रहा है, और केंद्रीय बैंक को सामान्य मॉनसून की उम्मीद है। इसके अलावा, सेवा क्षेत्र ने गति प्राप्त की है। विशेष रूप से सीमेंट और इस्पात क्षेत्रों में निजी निवेश के भी प्रमाण हैं। हालांकि, भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं, व्यापारिक निर्यात से खिंचाव, और अल नीनो की भविष्यवाणी कुछ नकारात्मक पहलू हैं। दास ने उपस्थित लोगों को भरोसा दिलाया कि पूंजी, तरलता की मजबूती स्थिति और संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार के साथ भारतीय बैंकिंग प्रणाली स्थिर और मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक देश की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अर्थव्यवस्था को पूरा समर्थन देगा।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपये में तेजी आई है और ये बढ़त के साथ बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 15 पैसे ऊपर आकर 82.70 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। डॉलर के मजबूत होने से हालांकि रुपये की तेजी पर अंकुश रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.83 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव के मुकाबले 15 पैसे बढ़ेकर 82.70 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.64 के उच्चस्तर तक जाने के बाद अंत में 82.84 के निचले स्तर तक आया। वहीं गत कारोबारी सत्र में रुपया 82.85 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 फीसदी बढ़कर 103.67 पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड वायदा 1.81 फीसदी बढ़कर 78.23 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

2,000 रुपये का नोट वापस लेने के फैसले का तरलता और ब्याज दरों पर प्रभाव पड़ेगा

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अध्ययन में कहा गया है कि 2,000 रुपये का नोट वापस लेने के रिजर्व बैंक के फैसले से तरलता, बैंक जमा और ब्याज दरों पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। दो हजार रुपये के नोट को बदलने या जमा करने के लिए 131 दिन का समय दिया गया है। नोट बदलने या जमा करने की शुरुआत मंगलवार से हो गई है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट 'इकोरैप' में कहा गया है कि 2,000 रुपये के नोट के तौर पर कुल 3.6 लाख रुपये की मुद्रा मौजूद है और यह पूरी राशि बैंकिंग प्रणाली में वापस आने की उम्मीद है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि 2,000 रुपये के कुल नोट में से 10 से 15 प्रतिशत करेंसी चेस्ट में होगा। रिपोर्ट कहती है कि इस बार 2,000 रुपये के नोट को वापस लेने का फैसला कोई बड़ा घटनाक्रम नहीं है लेकिन इसका नकदी, बैंक जमा और ब्याज दरों पर अनुकूल असर देखने को मिलेगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 208 अंक गिरा, निफ्टी 18,285 पर बंद

मुम्बई । (एजेंसी)

शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। इसी के साथ ही बाजार में आई तेजी पर भी अंकुश लगा गया। आज कारोबार के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 208.01 अंक करीब 0.34 फीसदी नीचे आकर 61,773.78 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,154.14 की ऊंचाई तक जाने के बाद 61,708.10 तक फिसला। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 62.60 अंक तकरीबन 0.34 फीसदी नीचे आकर दिन के अंत में 18,285.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,392.60 तक ऊपर जाने के बाद 18,262.95 तक गिरा।

आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 17 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इसमें सन फार्मा के शेयर सबसे ज्यादा 1.96 फीसदी तक उछले, इसके अलावा टाइटन, आईटीसी, इंडसइंड बैंक और टेक महिंद्रा सेंसेक्स के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर 13 शेयर लाल नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इसमें टाटा मोटर्स के शेयरों को हुआ और वे 1.57 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और बजाज फिनसर्व के शेयरों को भी नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। आज निवेशकों ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक की इसी माह हुई बैठक के ब्योरे की प्रतीक्षा करते हुए सतर्क रुख अपनाया। कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 251.26 अंक नीचे आकर 61,730.53 अंक पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी भी 78.3 अंक टूटकर 18,269.70 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में से आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा मोटर्स के शेयर नीचे आये। वहीं पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, आईटीसी और एनटीपीसी के शेयर ऊछले।

दूसरी ओर अमेरिकी बाजार गत दिवस गिरावट के साथ बंद हुए। डाओजोंस, नेसडेक कंपोजिट और एसएंडपी 500 में 1 फीसदी तक की गिरावट रही। वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में भी आज नकारात्मक रुख देखने को मिला क्योंकि निक्केई 225, कोस्पी, टोपिक्स, और एसएंडपी 200 इंडेक्स में 0.7 फीसदी तक की गिरावट रही।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा कि भारत का जीडीपी साल 2022 में 3,500 अरब डॉलर से अधिक रहा और अगले पांच वर्षों तक यह जी20 समूह में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था रहेगा। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी ने एक शोध रिपोर्ट में भारत की वृद्धि रफ्तार को लेकर सकारात्मक रुख रखा है हालांकि कहा कि नौकरशाही का अड़ियल रवैया विदेशी निवेश की रफ्तार में बाधा बन सकता है।

फोर्टिस हेल्थकेयर का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 59 फीसदी बढ़ा

मुंबई । (एजेंसी)

फोर्टिस हेल्थकेयर ने मार्च तिमाही के परिणाम घोषित कर दिए हैं। अस्पताल कारोबार में मजबूत प्रदर्शन से मार्च तिमाही में फोर्टिस का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 59 फीसदी बढ़कर 138 करोड़ रुपये रहा। बता दें कि हेल्थकेयर प्रमुख ने वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में 87 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। फोर्टिस हेल्थकेयर ने कहा कि कुल आय चौथी तिमाही में बढ़कर 1,656 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 1,384 करोड़ रुपये थी। मार्च 2023 में समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी का नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2021-22 के मुकाबले 790 करोड़ रुपये से घटकर 633 करोड़ रह गया। वहीं कंपनी का ईबीआईटीडीए में 25 फीसदी की बढ़त हुई है। कंपनी का हॉस्पिटल रेवेन्यू जो कुल आय का 80 फीसदी से अधिक है। बता दें कि रेवेन्यू 29.7 फीसदी साल-दर-साल बढ़कर 1,350 करोड़ रुपये हो गया है। डायग्नोस्टिक्स से कंपनी की इनकम 13.3 फीसदी साल दर साल घटकर 292 करोड़ रुपये हो गई। ऑक्यूपेंसी तिमाही और पूरे साल दोनों के लिए 67 फीसदी तक बढ़ गई है जो कि पिछले वित्त वर्ष में यह 59 फीसदी और 63 फीसदी था। कंपनी ने कहा कि उसके बोर्ड ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एक रुपये प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। फोर्टिस हेल्थकेयर के चेयरमैन रवि राजगोपाल ने कहा कि अस्पताल का कारोबार सभी वित्तीय और ऑपरेटिंग पैरामीटर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी का डायग्नोस्टिक्स कारोबार कोविड वॉल्यूम में गिरावट और उद्योग के चुनौतीपूर्ण माहौल से प्रभावित हुआ है, जो अभी भी बना हुआ है।

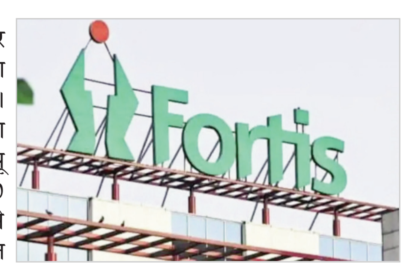

सोने, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । अमेरिका डॉलर के मुकाबले बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 250 रुपये बढ़कर 63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 63,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। इसी प्रकार चांदी भी 540 रुपये की तेजी के साथ ही 73,140 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। बाजार जानकारों के अनुसार दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की हाजिर कीमत 250 रुपये की तेजी के साथ 63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। वहीं विदेशी बाजारों में सोना बढ़त के साथ ही 1,974 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया जबकि चांदी भी बढ़त के साथ ही 23.35 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

गो फर्स्ट को उड़ानों की फिर अनुमति देने से पहले ऑडिट करेगा डीजीसीए

नई दिल्ली । (एजेंसी)

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) संकट में फंसी एयरलाइन कंपनी गो फर्स्ट को उड़ानों की फिर अनुमति देने से पहले उसकी तैयारियों का 'ऑडिट' करेगा। गो फर्स्ट द्वारा अपने कर्मचारियों को भेजी सूचना में इसकी जानकारी दी गई है। नकदी संकट से जूझ रही गो फर्स्ट की उड़ानें तीन मई से बंद हैं। फिलहाल एयरलाइन स्वैच्छिक दिवाला समाधान कार्यवाही में है।डीजीसीए के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन ने नियामक के कारण बताओ नोटिस का जवाब दे दिया है, जिससे संकेत मिलता है कि वह जल्द से जल्द उड़ानों को फिर से शुरू करने पर काम कर रही है। एयरलाइन ने मंगलवार को कर्मचारियों को भेज पत्र में कहा, डीजीसीए आने वाले दिनों में हमारी तैयारियों की जांच करने के लिए एक ऑडिट करेगा। गो फर्स्ट ने कहा कि सरकार ने बहुत सहयोग दिया है और एयरलाइन को जल्द से जल्द परिचालन शुरू करने के लिए कहा है। इसके अलावा कर्मचारियों को मंगलवार रात भेजी गई सूचना में कहा गया है कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने आश्वस्त किया है कि परिचालन शुरू होने से पहले कर्मचारियों का अप्रैल माह का वेतन उनके खातों में डाल दिया जाएगा। इसके अलावा आगामी महीने से वेतन का भुगतान हर महीने के पहले सप्ताह में किया जाएगा। यह सूचना गो फर्स्ट के परिचालन प्रमुख रजित रंजन ने कर्मचारियों को भेजी है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी जुटाएगी 1 अरब डॉलर

मुंबई । (एजेंसी)

अदाणी ग्रीन एनर्जी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से 6,150 करोड़ रुपये (750 मिलियन डॉलर) से 8,200 करोड़ रुपये (1 बिलियन डॉलर) जुटाने के लिए बोर्ड की मंजूरी लेने के लिए तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक, धन जुटाने की कवायद से परिचत लोगों ने इसकी जानकारी दी। अदाणी ग्रुप की दो कंपनियों अदाणी एंटरप्राइजेज और अदाणी ट्रांसमिशन को 13 मई को फंड जुटाने के लिए बोर्ड की मंजूरी मिल गई थी। अदाणी एंटरप्राइजेज 12,500 करोड़ रुपये और अदाणी ट्रांसमिशन 8,500 करोड़ रुपये जुटाएगी।

धन जुटाने की यह कवायद विस्तार योजनाओं का समर्थन करने के लिए 'तीन साल की इक्विटी कुशन बनाने के अदाणी ग्रुप की योजना का हिस्सा है। ग्रुप ने पिछले साल इसकी जानकारी दी थी। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने वर्ष 2021 को छोड़कर हर साल अपने बोर्ड से पूंजी जुटाने की अनुमति प्राप्त की है। अदाणी ग्रीन एनर्जी द्वारा जुटाई गई पूंजी का उपयोग 2021 में जारी तीन साल के बॉन्ड के 75 करोड़ डॉलर के बकाया को चुकाने के लिए किया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार पैसे को डेडिकेटेड रिडेम्पशन रिजर्व अकाउंट में रखा जा सकता है और नियत तारीख पर भुगतान हो सकता है। मूल योजना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष मंजूरी के बाद बॉन्ड को प्रीपे करने की थी, लेकिन कंपनी ने कदम के खिलाफ फैसला किया। अदाणी ग्रुप के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम नियमित व्यावसायिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करते। व्यावसायिक मामलों पर सभी सार्वजनिक खुलासे उचित होने पर किए जाते हैं।

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज एनसीएलटी के खिलाफ एनसीएलएटी का दरवाजा खटखटाएगी

मुंबई । (एजेंसी)

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के 11 मई के ऑर्डर के खिलाफ नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) का दरवाजा खटखटाने के लिए तैयार है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीएलटी के आदेश को इस आधार पर चुनौती दी जाएगी कि जी को अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया था, और तथ्य यह है कि एनसीएलटी के पास गैर-प्रतिस्पर्धी शुल्क जैसे मुद्दों पर निर्णय करने का अधिकार नहीं है। एनसीएलटी के ऑर्डर को एक या दो दिन में एनसीएलएटी के समक्ष चुनौती दी जाएगी।

बता दें कि एनसीएलएटी की मुंबई पीठ ने 11 मई को अपने ऑर्डर में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई को निर्देश दिया कि वे जी-सोनी यूनियन के लिए अपनी-अपनी प्रारंभिक स्वीकृतियों पर पुनर्विचार करें और अगली सुनवाई से पहले अपडेटेड अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करें। एनसीएलटी के इस ऑर्डर से मीडिया कंपनियों के प्रस्तावित विलय में नई बाधाएं पैदा हो सकती हैं। न्यायिक सदस्य एचवी सुब्बा राव और तकनीकी सदस्य मधु सिन्हा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ अब 16 जून को मामले की सुनवाई करेगी। एनसीएलटी ने एक्सचेंजों को विलय के गैर-प्रतिस्पर्धी क्लॉज का पुनर्मूल्यांकन और वेरिफिकेशन करने का निर्देश दिया है। बता दें कि दोनों एक्सचेंजों (एनएसई और बीएसई) तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से पहले मंजूरी मिल गई थी।

टाटा समूह बनाएगा आईफोन, आईफोन 15 मॉडल के असेंबलिंग का ट्रायल कर रही

मुंबई । (एजेंसी)

बाजार में जल्द ही आपको टाटा के बने आईफोन देखने को मिलने वाले हैं। दरअसल भारत में एपल का आईफोन बनाने वाली कंपनी विस्ट्रॉन ने अपना कामकाज समेट लिया है। एपल सप्लायर विस्ट्रॉन ने भारत में आईफोन का प्रोडक्शन बंद किया है। विस्ट्रॉन ने उस समय में भारत से अपने बिजनेस को समेट रही है, जब फॉक्सकॉन और पेगाट्रॉन भारत में एपल के ही प्रोडक्ट बनाने के लिए तेजी से अपने कारोबार को बढ़ा रही हैं। ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन का प्लांट बेंगलुरु के बाहर नरसापुरा में है। बेंगलुरु के पास कोलार में विस्ट्रॉन की आईफोन असेंबली यूनिट को टाटा ग्रुप को बेचने की तैयारी चल रही हैं। टाटा ग्रुप इस समय कोलार के विस्ट्रॉन आईफोन असेंबलिंग यूनिट में आईफोन 15 मॉडल की असेंबलिंग का ट्रायल कर रही है। एपल की शर्तों के आधार पर विस्ट्रॉन को यहां पर बिजनस करने पर मुनाफा नहीं हो रहा था। भारत में एपल के बिजनस के जरिए पैसा नहीं कमा पाने के बाद कंपनी अब अपने कारोबार को समेट रही है। बता दें कि विस्ट्रॉन ने साल 2008 में इंडियन मार्केट में अपना बिजनस शुरू किया था। कंपनी ने शुरू में लैपटॉप और पीसी आदि के लिए प्रोडक्ट को रिपेयर करने की यूनिट शुरू की थी। इसके बाद साल 2017 में कंपनी ने अपने बिजनस को आगे बढ़ाया और आईफोन बनाना शुरू किया।टाटा ग्रुप अभी आईफोन 15 के मॉडल को असेंबल करने के लिए टेस्टिंग कर रहा है। टाटा ग्रुप जल्द ही विस्ट्रॉन के इस प्लांट को टेकओवर करेगी, इसके बाद भारत को एपल प्रोडक्ट्स के लिए अपनी पहली स्वदेशी प्रोडक्शन कंपनी मिल जाएगी। बता दें कि टाटा समूह और विस्ट्रॉन के बीच यह डील अभी पूरा होना बाकी है, लेकिन टाटा के एग्जीक्यूटिव ने कोलार की विस्ट्रॉन यूनिट में कामकाज संभाल लिया है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुम्बई से फाइनल नहीं चाहते ब्रेवो

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के आईपीएल फाइनल में पहुंचने पर गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो ने खुशी जतायी है पर साथ ही कहा कि फाइनल में वह मुम्बई इंडियंस से मुकाबला नहीं चाहते हैं। सीएसके के मैच जीतने के बाद ब्रावो ने कहा है कि वह मुंबई इंडियंस को फाइनल में पहुंचते नहीं देखना चाहते। गुजरात टाइटंस के खिलाफ सीएसके की जीत के बाद ब्रावो ने मैदान पर जमकर जश्न मनाया। ब्रावो जीत मिलते ही मैदान पर भागे और अपने गेंदबाजों को सबसे पहले गले से लगाया। इतना ही नहीं ब्रावो ने होटल की लिफ्ट में भी जमकर डांस किया। उनके चेहरे को देख साफ दिखाई दे रहा था कि उन्हें इस जीत के बाद काफी खुशी मिली है। मैच के बाद ड्वेन ने कहा, सच कहूं तो मैं दिल से नहीं चाहता कि मुंबई फाइनल में पहुंचे। मेरे दोस्त पोलार्ड को इस बारे में पता है। मजाक को हटाकर मैं सभी टीमों को बेस्ट ऑफ लक कहता हूं। हमारी नजरें रहेगी कि कौन फाइनल में पहुंचेगी। मुंबई और सीएसके के बीच आईपीएल इतिहास में कुल 4 बार फाइनल में मुकाबला हुआ है, जिसमें कुल 3 बार मुंबई इंडियंस को जीत मिली है। वहीं सीएसके ने केवल 2010 में ही मुंबई के खिलाफ जीत हासिल की थी। इसके अलावा कुल 36 बार दोनों टीमों के बीच मुकाबले हुए हैं जिसमें से 20 बार मुंबई जीती है।

मलेशिया मास्टर्स : मालविका, अश्मिता मुख्य ड्रा में: शंकर और मिथुन बाहर

(एजेंसी)।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी मालविका बंसोड़ और अश्मिता चालिहा ने मंगलवार को यहां आशिता एरिना में अपने क्वालीफायर जीतकर मलेशिया मास्टर्स 2023 के महिला एकल इवेंट के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। महिला एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 40वीं मालविका ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 इवेंट के क्वालीफिकेशन दौर में चीनी ताइपे की सियांग टी लिन को 43 मिनट में 21-12, 21-19 से हराया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी की शुरूआत धीमी रही और पहले गेम में वह 3-6 से पीछे चल रही थी, इसके बाद उन्होंने स्थिति बदल दी और पहला गेम जीतकर मैच में 1-0 की बढ़त ले ली। दूसरे गेम में मालविका ने 9-2 से सात अंकों की बढ़त बना ली। हालांकि, सियांग टी लिन ने शानदार वापसी की और ब्रेक के समय सिर्फ दो अंकों से पिछड़ी हुई थीं। 21 वर्षीय बंसोड़ ने मध्यांतर के बाद अपने डिफेंस को मजबूत किया और चीनी ताइपे शटलर के मजबूत डिफेंस के बावजूद, अपनी दो अंकों की बढ़त को सुरक्षित रखा और अगले दौर में आगे बढ़ गई। मालविका अब बुधवार को राउंड ऑफ 32 में दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी चीन की वांग जी यी से भिड़ेंगी। दूसरी ओर, दुनिया की 50वें नंबर की अश्मिता ने पहले गेम में हार से उबरकर कनाडा की दुनिया की 47वें नंबर की वेन यू झांग को 45 मिनट में 10-21, 21-19, 21-17 से हराया। राउंड ऑफ 32 में उनका सामना दुनिया की नौवें नंबर की चीन की हान यू से होगा। पुरुष एकल में, पूर्व जूनियर विश्व नंबर 1 शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन और मिथुन मंजूनाथ क्वालिफिकेशन राउंड में सीधे गेम में हारने के बाद बाहर हो गए। वर्ल्ड नंबर 82 शंकर चीनी ताइपे के वर्ल्ड नंबर 48 ची यू जेन से 36 मिनट में 10-21, 14-21 से हार गए, जबकि

वर्ल्ड नंबर 44 मिथुन चीनी ताइपे के वर्ल्ड नंबर 47 चिया हाओ ली से 35 मिनट में 13-21, 19-21 से हार गए। इस बीच, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु बुधवार को राउंड ऑफ 32 में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन से भिड़ेंगी जबकि भारत के शीर्ष क्रम के पुरुष एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन भी एक्शन में होंगे।

धोनी में ही सीएसके को फाइनल में ले जाने की क्षमता : सहवाग

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेन्द सिंह धोनी में ही टीम को फाइनल तक ले जाने की क्षमता थी। चेन्नई ने पहले क्वालीफायर में गत चैंपियन गुजरात टाइटन्स को कड़े संघर्ष के बाद 15 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। सहवाग ने कहा, धोनी ही सीएसके को आईपीएल 2023 के फाइनल में ले जा सकते थे, इसके साथ उन्होंने कहा कि सीएसके टीम काफी शानदार है। सहवाग ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया, सीएसके क्या शानदार टीम है। नेतृत्व अपने संसाधनों से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करने के बारे में है और सीएसके अपने इस गेंदबाजी लाइन अप के साथ केवल धोनी की कप्तानी में फाइनल तक पहुंच सकती थी। अनुमान है कि ये धोनी का अंतिम आईपीएल है। वहीं धोनी के अनुसार वह इस बारे में फैसला आने वाले समय में करेंगे। धोनी ने मैच के बाद कहा,'' ईमानदारी से कहूं तो इसका काफी असर पड़ता है। मैं पिछले चार महीने घर से बाहर हूं। मैं जनवरी से घर से बाहर हूं और मार्च से अभ्यास कर रहा हूं, इसलिए आगे क्या होता है इस पर बाद में विचार करूंगा। मैं 31 जनवरी को घर से बाहर निकला था। मैंने काम पूरा करने के बाद दो या तीन मार्च से अभ्यास शुरू कर दिया था। इसका काफी असर पड़ता है लेकिन मेरे पास फैसला करने के लिए पर्याप्त समय है।

बहरीन पैरा बैडमिंटन में भारत के भगत को दो स्वर्ण सहित तीन पदक मिले

नई दिल्ली । भारत के पैरालम्पिक खिलाड़ी प्रमोद भगत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बहरीन पैरा बैडमिंटन चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता है। भगत ने इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल और युगल में एसएल 3 और एसएल 3 और एसएल 4 में खिताब जीते हैं। प्रमोद ने अपने ही हमवतन नितेश कुमार को 21-16, 21-17 से हराकर एकल वर्ग में स्वर्ण जीता। इसके बाद युगल में सुकांत कदम के साथ मिलकर नितेश कुमार और तरूण की जोड़ी को 22-24, 21-, 21-14 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भगत ने इसके बाद मनीषा रामदास के साथ मिलकर मिश्रित युगल में भी एक कांस्य पदक जीता। एक अन्य मुकाबले में भारत की ही तुलसीमति मुरूगेसन ने महिला एकल एसयू 5 में रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा कृष्णा नागर ने पुरूष एकल एसएच 6 में रजत पदक जीता। सुहास यथिराज ने एसएल 4 में रजत अपने नाम किया। पुरूष युगल में चिराग बरेथा और राजकुमार को भी रजत पदक मिला जबकि महिला युगल में मानसी जोशी और तुलसीमति को रजत पदक मिला।

पहलवानों के समर्थन में आम लोगों ने इंडिया गेट तक मार्च किया

28 मई को नये संसद भवन के बाहर महापंचायत का फैसला

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को अब आम लोगों का समर्थन मिलने लगा है। पहलवानों के समर्थन में उतरे हजारों लोगों ने जंतर-मंतर से इंडिया गेट तक एक मार्च निकाला। इस दौरान ये लोग बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। इस मार्च में ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट सहित कई और प्रदर्शनकारी पहलवान शामिल थे। पहलवानों ने बृजभूषण पर एक नाबालिग सहित कई महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पहलवानों और उनके समर्थकों ने अत्यधिक गर्मी और देर शाम धूल भरी आंधी का सामना करते हुए बड़ी संख्या में शांतिपूर्ण ढंग से इंडिया गेट तक मार्च निकाला।

इस दौरान लोगों के हाथों में तिरंगे थे और मार्च में शामिल लोगों ने बृजभूषण के लिए सख्त सजा की मांग की। विनेश, बजरंग और साक्षी ने इंडिया गेट के पास पुलिस के एक बैरिकेड पर चढ़ कर लोगों को संबोधित किया। विनेश ने इस दौरान कहा, '' पिछले एक महीने से हम बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कर रहे हैं पर यह शर्म की बात है कि अब तक कुछ भी नहीं हुआ है। आज, हमने इंडिया गेट पर कैंडल मार्च निकाला और हमें पता चला है कि देश के कई हिस्सों में और भी ऐसे ही मार्च निकाले गये हैं।'' उन्होंने कहा,

''मुझे उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा।''

साथ ही कहा कि कि 28 मई को नये संसद भवन के बाहर निर्धारित महापंचायत का नेतृत्व महिलाओं और युवाओं के द्वारा किया जायेगा और प्रदर्शन को लेकर आगे की कार्रवाई के बारे में कोई भी बड़ा फैसला वही लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

धोनी चीजों को सरल बनाये रखते हैं: रैना

चेन्नई ।

आईपीएल विशेषज्ञ सुरेश रैना ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को दसवीं बार आईपीएल फाइनल में पहुंचने वाले कप्तान महेन्द्र धोनी की कप्तानी की जमकर प्रशंसा की है। सीएसके के पूर्व क्रिकेटर रैना ने कहा, देखें कि वे फाइनल में कैसे पहुंचे, 14 सीज़न 10 फाइनल, मुझे लगता है कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। धोनी ने इसे सरल बनाये रखा। वह श्रेय के अधिकारी हैं और रुतुराज गायकवाड़ ने मुझसे कहा था कि सीएसके धोनी के लिए खिताब जीतना चाहता है। पूरा भारत धोनी को आईपीएल जीतते देखना चाहता है पर आज हमने जो देखा वह यह है कि इस मैदान पर सीएसके को हराना बहुत कठिन है। इसका कारण है कि धोनी जिस चीज को छूते हैं वह सोना बन जाती है, इसलिए उसका नाम धोनी है। इस मैच में छठे ओवर में हार्दिक पांड्या को आउट कर सीएसके ने गुजरात पर दबाव बना दिया था। रैना ने कहा, धोनी ने थिक्षाणा को स्टंप के भीतर गेंदबाजी करने के लिए कहने की कोशिश की और ऑफ साइड को रिंग की तरह ट्रीट किया क्योंकि उन्होंने हार्दिक को कोई जगह नहीं दी और उनके पास नीचे से गेंद को हिट करने और गैप खोजने का मौका नहीं था। केवल एक ही विकल्प था, उसे ऊपर से मारना, लेकिन गेंद स्टंप पर थी। इसलिए उन्होंने अपना विकेट गंवाया। ऐसे क्षणों को धोनी से बेहतर कोई नहीं समझ सकता कि उस खास पल में उनकी टीम को क्या चाहिए और किस गेंदबाज की जरूरत है। वह इसे अच्छी तरह समझते हैं और इसलिए यह टीम लगातार वापसी कर सकती है।

विजय शंकर ने हार के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बनाया

चेन्नई । गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर विजय शंकर ने आईपीएल के पहले क्वालीफायर में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हाथों मिली हार के लिए अपनी टीम के बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया है। विजय शंकर ने कहा कि अगर बल्लेबाज सही से प्रयास करते तो लक्ष्य हासिल हो जाता। सीएसके ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 172 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम 20 ओवर में 157 रन ही बना पायी। विजय शंकर ने कहा,'' मुझे लगता है कि हम बेहतर तरीके से लक्ष्य का पीछा कर सकते थे। हम मैच को और करीबी बना सकते थे।'' चेन्नई के स्पिनरों रविंद्र जडेजा और महेश तीक्ष्णा ने बीच के ओवरों में उनके बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था। विजय शंकर ने कहा,'' उन्होंने बीच के ओवरों में काफी सधी हुई गेंदबाजी की। किसी भी टीम के लिए लक्ष्य का पीछा करते समय बीच के ओवर काफी अहम होते हैं पर हमने इसी में लगातार विकेट खोये। '' उन्होंने कहा,'' अगर हमारे कोई भी दो बल्लेबाज टिककर खेलते तो परिणाम अलग होता। हमने गलत समय में विकेट खो दिये। अगर हमने बीच के ओवरों में 20 या 30 रन की साझेदारी भी की होती तो हम मैच को और करीब ले जा सकते थे। '' विजय शंकर को उम्मीद है कि अहमदाबाद में होने वाले दूसरे क्वालीफायर में उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करेगी।

डुप्लेसी की जगह अब शुभमन के पास ऑरेंज कैप हासिल करने का अवसर

मुम्बई ।(एजेंसी)

आईपीएल में अब ऑरेंज कैप की रेस में बदलाव होना तय है। अभी तक रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान फाफ डुप्लेसी सबसे ज्यादा 730 रन बनाकर ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं पर उनकी टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद इस दौड़ में दो अन्य खिलाड़ी शामिल हो गये हैं। अब इन खिलाड़ियों के पास सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप हासिल करने का सुनहरा अवसर है। इसमें से एक हैं गुजरात के बल्लेबाज शुभमन गिल। शुभमन ने अब तक 15 मैचों में 722 रन हैं और ऐसे में उनके पास अब अगले मैच में डुप्लेसी को पीछे छोड़ने का अवसर है। शुभमन गिल 7 रन बनाते ही ऑरेंज कैप अपने नाम कर लेंगे।

वहीं इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले मे रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली 14 मैचों में 639 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं आईपीएल 2023 के फाइनल में पहुंची चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे के 15 मैचों में 625 रन हैं ओर वह विराट कोहली से 14 रन ही पीछे हैं। फाइनल मुकाबले में

कॉनवे 15 रन बनाते ही कोहली से आगे निकल जाएंगे और ऐसे में वह इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले मे तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे।

हालांकि कॉनवे के पास भी सबसे ज्यादा रन बनाकर पहले स्थान पर आने का अवसर है पर इसके लिए उन्हें शतक लगाना होगा जो आसान नहीं है। वह अभी पहले स्थान पर मौजूद फाफ डुप्लेसी से 105 रन पीछे हैं, लेकिन अभी दूसरे नंबर पर मौजूद शुभमन गिल के पास भी कम से कम एक मैच बचा है। ऐसे में कॉनवे ऑरेंज कैप हासिल कर पाएंगे, यह असंभव सा नजर आता है।

आरसीबी के खराब प्रदर्शन से दुखी हैं कार्तिक

नई दिल्ली । आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खराब प्रदर्शन से अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक दुखी हैं। पूरे सत्र में टीम की ओर से केवल तीन चार खिलाड़ी ही रन बना पाये। पूरे सत्र में विराट कोहली, कप्तान फाफ डुप्लेसिस और ग्लेन मैक्सेवल ही रन बना पाये। वहीं गेंदबाजी के दौरान मोहम्मद सिराज ही कुछ हद तक ठीक गेंदबाजी कर पाये। कार्तिक का स्वयं का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। कार्तिक ने आरसीबी के लिए इस सत्र में कुल 13 मैच खेलकर 11.67 की औसत से केवल 140 रन रन बनाये। मध्यक्रम के फ्लॉप होने से टीम को नुकसान हुआ। ऐसे में टीम के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद कार्तिक की प्रतिक्रिया पर प्रशंसक भड़क गये। कार्तिक ने ट्विटर पर लिखा, हम उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए। इससे परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा। सपने तक पहुंचने के लिए हम आगे भी उसका पीछा करते रहेंगे। सभी फैन्स का आभार जो हमारे साथ अचे छे और खराब समय बने रहे। आरसीबी को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने थे पर वह एक ही मैच जीत पायी थी।

धोनी और रुतुराज के कारण सीएसके को मिली जीत

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि क्वालीफायर मुकाबले में महेन्द्र सिंह धोनी की कुशल कप्तानी और रुतुराज गायकवाड़ की शानदार बल्लेबाजी से ही चेन्नई सुपर किंग्स को जीत मिली। शास्त्री ने कहा कि सीएसके आईपीएल 2022 में 9वें स्थान पर रही थी पर इस सीजन में टीम ने शानदार वापसी की। शास्त्री ने कहा, सीएसके पिछले साल 9वें नंबर पर थी और पिछले तीन मुकाबलों में गुजरात टाइटंस से तीन बार हारी थी। आज मैदान में आकर और इस तरह से सीएसके ने खेला वह शानदार रहा। जब वे बल्लेबाजी कर रहे थे, तो उन्हें पता था कि क्या करना चाहिए। 160 से अधिक का स्कोर कुछ भी एक बोनस था, 170 से अधिक रन के कारण वह अच्छी हालत में पहुंच गये थे। शास्त्री ने धोनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह फील्डिंग को नियंत्रित करने में कुशल थे। सीएसके के खिलाड़ियों ने मैच के अंतिम ओवरों में विजय शंकर और राशिद खान के दो शानदार कैच लेकर मैच अपने पक्ष में कर लिया। इसपर शास्त्री ने कहा, आप जानते थे कि स्पिनर के आते ही खेल शुरू हो जाएगा। धोनी एक मास्टर हैं जो फील्ड को नियंत्रित कर रहे हैं। वह अपने फील्डरों को सही जगह पर लगा रहे थे, इसके साथ ही वह गेंदबाजी में बदलाव ला रहे थे। वहीं बल्लेबाजी में टीम को रुतुराज ने आक्रामक शुरुआत दी थी।

संन्यास के बाद कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं धोनी : मूडी

सिडनी ।(एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी के अनुसार आईपीएल से संन्यास के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएकसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं। मूडी के अनुसार धोनी के अलविदा कहने के बाद सीएसके में काफी बदलाव भी नजर आयेंगे। मूडी के अनुसार धोनी भविष्य में सीएसके के लिए एक अलग भूमिका में नजर आ सकते हैं हालांकि कप्तान के तौर पर उनकी कमी जरुर दिखेगी। उन्होंने कहा कि आईपीएल में कप्तानी की भूमिका टीमों को प्लेऑफ में पहुंचने में अहम भूमिका निभाती है। मूडी ने में कहा, धोनी के बाद निश्चित रूप से मैदान पर बदलाव आएगा। मुझे भरोसा है कि वह मेंटोर की भूमिका या कोच की भूमिका में रहेगा। कप्तान का प्रभाव आईपीएल में अहम होता है और हमने देखा है कि खराब कप्तानी वाली टीमें आम तौर पर शीर्ष चार में नहीं होती हैं। मूडी ने यह भी कहा कि सीएसके जैसी फ्रैंचाइजी ज्यादा चीजों को नहीं बदलेगी क्योंकि टीम और स्टाफ के भीतर संस्कृति तय है। मूडी ने पिछले साल के आईपीएल से एक उदाहरण भी बताया जब रवींद्र जडेजा को कप्तानी सौंपी गई थी और सीएसके के लिए चीजें वैसी नहीं दिख रही थीं जैसी होनी चाहिए थीं। उन्होंने यह भी कहा कि अजिंक्य रहाणे और पीयूष चावला जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को सीएसके और मुंबई इंडियंस जैसी फ्रेंचाइजी के लिए खेलना आसान लगता है और इसी कारण ये दोनो ही सफल भी रहे हैं। वे जानते हैं कि फ्रेंचाइजी उनकी क्षमताओं पर भरोसा करती है।

चावला ने इस सत्र में 2023 में 14 पारियों में 7.81 की इकॉनमी रेट से 20 विकेट लिए, जबकि रहाणे ने इस सीजन में नौ पारियों में 169.88 की स्ट्राइक रेट से 282 रन बनाए हैं।

बोपन्ना की सात साल के बाद शीर्ष 10 में वापसी हुई

नई दिल्ली । देश के शीर्ष पुरुष युगल खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को सात साल के बाद एक बार फिर शीर्ष दस खिलाड़ियों में जगह मिली है। बोपन्ना दो स्थान के लाभ के साथ ही इस सप्ताह की ताजा एटीपी टेनिस रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गये हैं। वह जून 2016 के बाद से ही पहली बार शीर्ष 10 में पहुंचे है। बोपन्ना को पिछले साल घुटने की चोट के कारण डेविस कप और कुछ अन्य स्पर्धाओं से भी हटना पड़ा था। उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग तीन है जो उन्हें साल 2016 में मिली थी। उन्होंने इस बार सत्र की शुरुआत 19वें स्थान से की थी। इस सत्र में उन्होंने अब तक 13 टूर्नामेंट में भाग लिया है। वह इस साल फरवरी में एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी भी बने। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के अपने जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन के साथ मार्च में इंडियन वेल्स मास्टर्स का खिताब भी जीता था। बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने फरवरी में कतर ओपन भी जीता था और मई में मैड्रिड ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। वहीं एकल रैंकिंग में सुमित नागल 256 वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। वहीं महिला एकल वर्ग में एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना 212 वें स्थान के साथ सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला खिलाड़ी है।

कर्नाटक के इन हिल स्टेशन के बारे में हर ट्रेवलर को जरूर जानना चाहिए

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयार.यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयार.य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

दुनिया के इन खूबसूरत बीचेस पर घूमने का है एक अलग ही आनंद

जब भी समर वेकेशन की बात होती है तो लोग अक्सर बीच पर जाना ही पसंद करते हैं। समुद्र तट के किनारे बैठकर कुछ पल फुरसत के बिताने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन यह लुत्फ तब और भी ज्यादा बढ़ जाता है, जब वह बीच भी बेहद साफ व खूबसूरत हो। दरअसल, बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण का असर विश्व में मौजूद बीचेस पर भी पड़ा है, जिसके कारण वह अब पहले जैसे साफ नहीं रह गए हैं। लेकिन फिर भी कुछ ऐसे बीचेस हैं, जो बेहद क्लीन है और इसलिए यहां पर घूमना यकीनन आपको भी काफी अच्छा लगेगा। तो चलिए जानते हैं इन बीचेस के बारे में-

लानिकाई बीच, ओहू, हवाई

लानिकाई बीच बेहद ही खूबसूरत बीच हैं। इस समुद्र तट को खोजने में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन ओहू में टूरिस्ट टैफिक की हलचल से दूर, यह किसी स्वर्ग से कम नहीं है। लुभावना नीला पानी आपको मोहित कर लेगा। सह समुद्र तट मुख्य रूप से अपने पानी के लिए जाना जाता है, और यह आपकी कश्ती, पैडलबोर्ड और तैराकी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकदम सही है।

माया बे, थाईलैंड

थाईलैंड में स्थित शानदार माया बे बीच लगभग 200 मीटर लंबा मुख्य समुद्र तट है और यह अपने पानी के नीचे रंगीन मूंगा, चमकदार साफ पानी और विदेशी मछली के लिए जाना जाता है। इसकी खूबसूरती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि डैनी बॉयल ने लियोनार्डो डिकैप्रियो अभिनीत मूवी द बीच (2000) की शूटिंग के लिए इस खूबसूरत समुद्र तट को चुना।

व्हाइटहेवन बीच, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया

ग्रेट बैरियर रीफ के केंद्र में स्थित, और व्हाट्सुनडे आइलैंड्स नेशनल पार्क के संरक्षित लिफाफे में मौजूद व्हाइटहेवन बीच ऑस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे प्रसिद्ध समुद्र तट है। बड़े पैमाने पर यह बीच 4.4 मील (7 किमी) तक फैला है। यह समुद्र तट कुछ शुद्ध सफेद सिलिका रेत, और फ़िरोज़ा, नीले और हरे रंग के साफ पानी के मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य प्रस्तुत करता है।

लांग बीच, वैंकूवर द्वीप, कनाडा

कनाडा के वैंकूवर द्वीप पर सबसे लंबा रेतीला समुद्र तट, जिसे उपयुक्त रूप से लॉन्ग बीच कहा जाता है, कुछ सबसे शांत दृश्य और अद्भुत समुद्री जंगल प्रदान करता है। प्रशांत रिम नेशनल पार्क रिजर्व के भीतर स्थित यह समुद्र तट 10 मील (16 किमी) तक फैला हुआ है। इसकी खूबसूरत रेत और रेनफोरेस्ट के व्यू इस स्थान को और भी बेहतरीन व खूबसूरत बनाता है।

एलोरा गुफाओं की बात है निराली, जानिए इनके बारे में

एलोरा गुफाएं, उत्तर-पश्चिम-मध्य महाराष्ट्र राज्य में 34 शानदार रॉक-कट मंदिरों की एक श्रृंखला है। वे औरंगाबाद के उत्तर-पश्चिम में 19 मील और अजंता की गुफाओं से 50 मील दक्षिण-पश्चिम में एलोरा गांव के पास स्थित हैं। करीबन 2 किमी की दूरी में फैले इन मंदिरों को बेसाल्टिक चट्टानों से काटा गया था और इनमें विस्तृत अग्रभाग और आंतरिक दीवारें हैं। एलोरा परिसर को 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित

किया गया था। ये लुभावनी गुफाएं अपनी मूर्तियों और वास्तुकला के लिए निश्चित रूप से देखने लायक हैं। तो चलिए आज हम आपको एलोरा गुफाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

धार्मिक विविधता का है प्रतीक

एलोरा की गुफाएं न केवल तीन महान धर्मों (बौद्ध, ब्राह्मणवाद और जैन धर्म) की गवाही देती हैं, बल्कि वे सहिष्णुता की भावना, प्राचीन भारत की विशेषता को भी दर्शाती हैं, जिसने इन तीनों धर्मों को अपने अभयारण्यों और अपने समुदायों को एक ही स्थान पर स्थापित करने की अनुमति दी। 12 बौद्ध गुफाएं (दक्षिण में) लगभग 200 ईसा पूर्व से 600 सीई तक, 17 हिंदू मंदिर (केंद्र में) लगभग 500 से 900 सीई तक और 5 जैन मंदिर (उत्तर में) लगभग 800 से 1000 सीई तक बनाई गई हैं। एलोरा ने मठों (विहारों) और मंदिरों (चैत्य) के एक समूह के रूप में कार्य किया।

कैलासा गुफा है बेहद प्रसिद्ध

गुफा मंदिरों में सबसे उल्लेखनीय कैलासा (कैलासनाथ गुफा 16) है, जिसका नाम हिमालय के कैलास रेंज में पर्वत के लिए रखा गया है जहां हिंदू भगवान शिव निवास करते हैं। साइट पर अन्य मंदिरों के विपरीत, जो पहले चट्टान के चेहरे में क्षैतिज रूप से खोदे गए थे, कैलासा परिसर को बेसाल्टिक ढलान से नीचे की ओर खोदा गया था और इसलिए यह काफी हद तक सूर्य के प्रकाश के संपर्क में है। 8 वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण, कृष्ण प्रथम के शासनकाल में शुरू हुआ। इसमें सीढ़ियों, दरवाजों, खिड़कियों और कई निश्चित मूर्तियों के साथ विस्तृत नक्काशीदार मोनोलिथ और हॉल हैं। इसकी बेहतर सजावट में से एक विष्णु का एक दृश्य है जो एक नरसिंह में बदल गए। प्रवेश द्वार के ठीक बाहर, मुख्य प्रांगण में, शिव के बैल नंदी का एक स्मारक है। हॉल के भीतर चित्रण में 10 सिरों वाले राक्षस राजा रावण ने ताकत के प्रदर्शन में कैलास पर्वत को हिलाने का दृश्य भी मौजूद है।

जैन गुफाएं

जैन मंदिरों में उल्लेखनीय गुफा 32 है, जिसमें कमल के फूलों और अन्य विस्तृत आभूषणों की बारीक नक्काशी शामिल है। हर साल ये गुफाएं धार्मिक तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की बड़ी भीड़ को आकर्षित करती हैं। शास्त्रीय नृत्य और संगीत का वार्षिक एलोरा महोत्सव मार्च के तीसरे सप्ताह में वहाँ आयोजित किया जाता है।

यूएई के बिजनेसमैन ने दिखाई दरियादिली, कर्मचारियों को दिए 30 करोड़ के तोहफे

दुबई ।यूएई के एक बिजनेसमैन ने दरियादिली दिखाते हुए अपने कर्मचारियों को 30 करोड़ के तोहफे बांटे हैं। भारतीय मूल के बिजनेसमैन और एरीज ग्रुप के फाउंडर सोहन रॉय ने अपने कर्मचारियों और उनके परिजनों को 30 करोड़ रुपये का भारीभरकर रिवॉर्ड देने की घोषणा की है। उनका कहना है कि यह कर्मचारियों का शुक्रिया अदा करने का उनका तरीका है। लंबे समय से कंपनी से जुड़े कर्मचारियों को सिल्वर जुबली गिफ्ट के तौर पर यह इनाम दिया गया है। इस ग्रुप की शुरुआत 1998 में हुई थी और इस साल यह 25 साल पूरे कर रही है। जानकारी के मुताबिक पेशे से मरीन इंजीनियर सोहन रॉय ने कहा कि जो कर्मचारी लंबे समय से कंपनी से जुड़े हैं, उन्हें यह इनाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इनाम देने के लिए कंपनी ने एक मैकेनिज्म बनाया है। इसके तहत उन कर्मचारियों के परिजनों को इनाम दिया जा रहा है जिन्होंने कंपनी में कम से कम पांच साल पूरे कर लिए हैं। कर्मचारियों के माता-पिता, पत्नी और बच्चों को भी इनाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कंपनी के 25 साल पूरे होने के मौके पर हम अपने कर्मचारियों और उनके परिजनों के सपोर्ट के लिए उनके आभारी हैं। गौरतलब है कि एरीज ग्रुप एक शिप डिजाइन कंसल्टेंसी है जिसमें 2,200 से अधिक प्रोफेशनल काम करते हैं। रॉय का बिजनस कई क्षेत्रों में फैला है। उन्होंने 1998 में कंपनी की स्थापना की थी। साथ ही उन्होंने एक फिल्म का भी डायरेक्शन किया है। उनके ग्रुप ने मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के स्टूडियो कॉम्प्लेक्स का भी अधिग्रहण किया है। इतना ही नहीं उन्होंने भारतीय सिनेमा को ग्लोबल लीडर बनाने के लिए 10 अरब डॉलर का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट भी लॉन्च किया है। इसे इंडीवुड नाम दिया गया है। इस प्रोजेक्ट को नवंबर 2015 में कोच्चि में इंडीवुड फिल्म मार्केट एंड ऑल लाइट्स इंडिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के जरिए लॉन्च किया गया था।

50 सालों में खराब मौसम के कारण चली गई 520,758 लोगों की जान

– डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट में खुलासा, बांग्लादेश में आपदाओं से हुआ भारी नुकसान

ढाका। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में खराब मौसम, जलवायु और पानी से संबंधित घटनाओं से 1970 और 2021 के बीच 520,758 मौतें दर्ज की गई हैं। जानकारी के अनुसार, डब्ल्यूएमओ ने चतुर्भुज विश्व मौसम विज्ञान कांग्रेस के लिए रिपोर्ट जारी की, जो मंगलवार को 2027 के अंत तक पृथ्वी पर हर किसी तक प्रारंभिक चेतावनी सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई तेज करने और बढ़ाने पर एक उच्च-स्तरीय संवाद के साथ शुरू हुई। रिपोर्ट में कहा गया है, दुनिया भर में होने वाली सभी मौतों में से 47 प्रतिशत मौतें एशिया में हुईं, इनमें उष्णकटिबंधीय चक्रवात मौतों का प्रमुख कारण हैं। 2008 में उष्णकटिबंधीय चक्रवात नरगिस के कारण 138,366 मौतें हुईं। चरम मौसम, जलवायु और पानी से संबंधित घटनाओं के कारण 1970 और 2021 के बीच 11,778 आपदाओं की सूचना मिली। इसमें 2 मिलियन से अधिक मौतें हुईं और 4 ।3 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। जारी रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में होने वाली मौतों में से 90 प्रतिशत से अधिक विकासशील देशों में हुई हैं। डब्ल्यूएमओ के महासचिव पेटेरी तालस ने कहा, दुर्भाग्य से सबसे कमजोर समुदाय मौसम, जलवायु और पानी से संबंधित खतरों का खामियाजा भुगतते हैं। महासचिव ने कहा, अतीत में, म्यांमार और बांग्लादेश दोनों ने सैकड़ों हजारों लोगों की मौत का सामना किया। लेकिन प्रारंभिक चेतावनियों और आपदा प्रबंधन के कारण इस प्रकार की मौतों की संख्या में अब कमी आई है। डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि अकेले संयुक्त राज्य अमेरिका में 1.7 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है, जो 51 वर्षों में दुनिया भर में हुए कुल नुकसान का 39 प्रतिशत है। सबसे कम विकसित देशों और छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं के आकार के संबंध में अनुपातहीन रूप से अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा।

बच्चों के तलवे चाटने की आदत के कारण शख्स कई बार जा चुका है जेल

न्यूयार्क ।अमेरिका में एक शख्स को बच्चों के तलवे चाटने का इस कदर शौक है कि इसकी वजह से वह 2 बार जेल जा चुका है, फिर भी नहीं मानता। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के रहने वाले 26 साल के कॉरी रॉलिन्स को नौवें मामले में गिरफ्तार किया गया है। अभी 10 दिन पहले ही वह जेल से बाहर आया था। उस पर बच्चों के पैर चाटने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, कुछ दिनों पहले रॉलिन्स ने एक बच्चे को फोन में पैरों की तस्वीर दिखाई। पूछा- क्या उसके पैर इस तस्वीर के जैसे हैं। लड़के ने कहा-नहीं, फिर रॉलिन्स ने पूछा कि क्या वह उसके पैर देख सकता है। यह सुनकर ही लड़का वहां से भाग निकला। बच?चे ने जाकर अपनी मां को सारी बातें बताईं। लड़के की मां ने रॉलिन्स के बारे में कहानियां सुन रखी थीं। उन्होंने तुरंत फोन में उसकी फोटो दिखाई और पूछा, क्या यही था? बेटे ने तुरंत उस शख्स की पहचान कर ली। फोटो में रॉलिन्स को पुलिस ले जा रही थी और पुलिस की वैन में बैठा हुआ था। मां की सूचना पर पुलिस ने तुरंत रॉलिन्स को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले 14 जनवरी को एक पार्क में उसने 7 साल के बच्चे के साथ ऐसी वारदात को अंजाम दिया था। बच्चा पार्क में खेल रहा था तभी रॉलिन्स ने उससे संपर्क किया। उसे सामने बैठने के लिए कहा और उसके पैरों को गुदगुदाया। फिर लड़के से अपने मोज़े निकालने के लिए कहा और उसके दोनों पैरों को चाटा। इससे पहले रॉलिन्स को अपने स्कूल में चौथी कक्षा की तीन लड़कियों से छेड़छाड़ के मामलों में गिरफ्तार किया गया था।

कार्बन उत्सर्जन में कमीं लाने फ्रांस सरकार ने ट्रेन-प्लेन को लेकर बनाया खास कानून

फ्रांस ।सरकार ने कार्बन के उत्सर्जन को कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। यहां मंगलवार को औपचारिक तौर पर छोटी दूरी के लिए घरेलू विमानों के उड़ान पर रोक लगा दी गई है। उड़ान उन मार्गों के लिए बंद की गई हैं, जहां ट्रेन से सफर किया जा सकता है। नए कानून के तहत ढाई घंटे से कम समय में की जाने वाली यात्राओं के लिए केवल ट्रेन सेवा जारी रहेगी। जबकि विमान की सेवा बंद कर दी गई है। फ्रांस के परिवहन मंत्री क्लेमेंट ब्यून ने मीडिया को बताया ?कि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की नीति में यह एक आवश्यक कदम है। जब हम अपनी जीवनशैली को डीकार्बोनाइज करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं, तो हम बड़े शहरों के बीच विमान के उपयोग को कैसे सही ठहरा सकते हैं। कानून के मुताबिक रूट पर ट्रेन की कनेक्टिविटी एकदम ठीक होनी चाहिए। ताकि यात्रियों की जरूरतों को पूरा किया जा सके, नहीं तो फिर लोग हवाई यात्रा करेंगे। इसके अलावा फ्रांस सरकार देश की छोटी यात्राओं के लिए प्राइवेट जेट के इस्तेमाल पर नकेल करने की कोशिश कर रही है। ट्रांसपोर्ट एंड एनवायरनमेंट (टी एंड ई), यूरोपियन फेडरेशन फॉर क्लीन ट्रांसपोर्ट की एक रिपोर्ट में पाया गया कि निजी जेट प्रति यात्री मील कॉमर्शियल फ्लाइट की तुलना में 14 गुना अधिक प्रदूषणकारी हैं और ट्रेनों की तुलना में 50 गुना अधिक खराब हैं। हालांकि, इस कदम ने विमानन उद्योग को परेशान कर दिया है। उद्योग समूह एयरलाइंस फॉर यूरोप (ए4ई) के अंतरिम प्रमुख लॉरेंट डोनसेल ने बताया कि सीओ2 आउटपुट परइन यात्राओं पर प्रतिबंध लगाने से केवल न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकारों को इसके बजाय इस मुद्दे के वास्तविक और महत्वपूर्ण समाधान ढूंढना चाहिए। दुनिया भर की एयरलाइंस कोरोनोवायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, पिछले साल उड़ानों की संख्या 2019 से लगभग 42 फीसदी कम थी।

अमेरिकी आईटी कंपनी ने नौकरी के लिए केवल भारतीयों से आवेदन मांग, लगा 25,500 डॉलर का जुर्माना

वॉशिंगटन ।अमेरिका में एक आईटी कंपनी पर कथित तौर पर नौकरी का भेदभावपूर्ण विज्ञापन देने और केवल भारतीयों से ही आवेदन मांगने के मामले में 25,500 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग के सहायक अटॉर्नी जनरल ने कहा कि जब नियोक्ता केवल किसी खास देश के आवेदकों या जिन्हें अस्थायी वीजा की आवश्यकता होती है, उनसे ही आवेदन मांगते हैं, तब वे अन्य योग्य कामगारों को हतोत्साहित करते हैं और उन्हें नौकरी का उचित मौका देने से इनकार करते हैं। न्याय विभाग ने आरोप लगाया था कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की कंपनी इंफोसॉफ्ट सोल्यूशन इंक ने नौकरी के लिए 6 भेदभावपूर्ण विज्ञापन देकर आव्रजन एवं नागरिकता कानून (आईएनए) का उल्लंघन किया है।

मलेशिया में इंटरनेशनल मैरीटाइम व एयरोस्पेस प्रदर्शनी में करतब दिखाते हुए विमान।

न्यूयॉर्क आपराधिक मामले में डिजिटल माध्यम से पेश हुए ट्रंप

वाशिंगटन ।न्यूयार्क आपराधिक मामले में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को डिजिटल वीडियो माध्यम से अदालत में पेश हुए। इस मामले में न्यायाधीश ने सुनवाई के लिए 25 मार्च की संभावित तारीख तय की जो राष्ट्रपति चुनाव के प्राइमरी के दौर में पड़ेगी। ट्रंप ने पिछले महीने इस आपराधिक मामले में खुद को बेकसूर बताया था। सुनवाई करीब 15 मिनट चली। मंगलवार की सुनवाई में मैनहट्टन के न्यायाधीश जुआन मर्चन ने अभियोजकों द्वारा बदले गए कुछ सबूतों को ट्रंप द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रसारित करने से रोकने संबंधी एक आदेश की समीक्षा की। ट्रंप को पिछले महीने अदालत में व्यक्तिगत पेशी से छूट दी गई थी। इसके बजाय रिपब्लिकन पार्टी के नेता वीडियो कॉन्फ्रेंस से पेश हुए, जिसमें उसका चेहरा कोर्ट रूम टीवी मॉनिटर पर नजर आ रहा था। सुनवाई के दौरान अधिकतर समय ट्रंप के वीडियो फीड को 'म्यूट' (आवाज रहित) कर दिया गया था, जिससे वह अपने वकील टॉड ब्लैंच के साथ स्वतंत्र रूप से परामर्श कर पाएं। ट्रंप ने अपनी कंपनी द्वारा अपने पूर्व वकील माइकल कोहेन को किए गए भुगतानों से संबंधित बिजनेस रिकॉर्ड को गलत ठहराने संबंधी मामले में चार अप्रैल को खुद को बेकसूर बताया था।

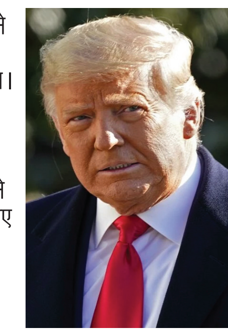

पीटीआई को बैन करने पर विचार कर रही शहबाज सरकार, इससे इमरान की लोकप्रियता पर क्या पड़ेगा असर, कैसे पाकिस्तान में इतिहास खुद को दोहरा रहा है?

सिडनी/नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। शहबाज सरकार और सेना से दो-दो हाथ कर रहे इमरान को कोर्ट से तो लगातार राहत मिल रही है। लेकिन पीटीआई नेताओं की लगातार हो रही गिरफ्तारी के बाद अब उनके कई साथी भी इमरान को अलविदा कहने लग गए हैं। पार्टी छोड़ने वालों में उनके कैबिनेट मंत्री रही शिरीन मजारी सहित पांच बड़े नेताओं के नाम शामिल हैं। वहीं अब खबर है कि इमरान खान की पार्टी पीटीआई पर बैन भी लगाया जा सकता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा यूसुफ ने ऐसे संकेत दिए हैं।

रक्षा मंत्री ने क्या कहा

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पुष्टि की है कि सरकार 9 मई की घटनाओं को लेकर पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही है। उन्होंने इस्लामाबाद में मीडियाकर्मियों से कहा कि अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन एक समीक्षा निश्चित रूप से चल रही है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि 9 मई को देश भर में सैन्य प्रतिष्ठानों की तोड़फोड़ पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान द्वारा नियोजित समन्वित हमले थे। बहुत सारे सबूत हैं और उनके लोग खुद कह रहे हैं कि उन्हें इस बारे में पहले ही बता दिया गया था। उन्होंने इस्लामाबाद में मीडियाकर्मियों से कहा कि मुझे लगता है कि एक साल का उनका संघर्ष ज उनकी

सारी योजनाएँ विफल हो गईं और सशस्त्र बलों के खिलाफ यह उनका आखिरी कदम था।

पीटीआई को दबाव में लाना

कराची स्थित विश्लेषक तौसीफ अहमद खान ने कहा कि जो कोई भी पाकिस्तान की सेना को चुनौती देता है, उसे देश की सबसे शक्तिशाली संस्था के कोप का सामना करना पड़ता है। उन्होंने एक निजी मीडिया से बात करते हुए बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री पर मुकदमा चलाया जा सकता है और उन्हें फिर से चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह का दबाव पार्टी को प्रभावित करेगा, नेताओं को खान से अलग होने के लिए मजबूर करेगा। इसलिए, एक तरह से इसे खत्म कर दिया जाएगा। इस्लामाबाद स्थित एक टिप्पणीकार अस्मा शिराज़ी ने सहमति व्यक्त की कि खान की पार्टी दबाव से बचने में सक्षम नहीं हो सकती है।

क्या बैन से खान की लोकप्रियता पर असर पड़ेगा?

अभी के लिए पूर्व प्रधानमंत्री पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। इस्लामाबाद स्थित अकादमिक नूर फातिमा का मानना है कि उनकी पार्टी पर प्रतिबंध से उनके प्रतिद्वंद्वियों को खुद खान की तुलना में अधिक नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि यह एक बुद्धिमान निर्णय नहीं होगा, यह कहते हुए कि राजनीतिक बहुलता लोकतंत्र को मजबूत करती है। उन्होंने कहा, 'अगर सरकार पीटीआई पर प्रतिबंध लगाकर इस बहुलता को समाप्त करती है, तो यह सत्तारूढ़ दलों की लोकतांत्रिक साख को नुकसान पहुंचाएगी, उनके वोट बैंक को प्रभावित करेगी, न कि खान के।

इतिहास खुद को दोहरा रहा है?

अगर खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है, तो यह पाकिस्तान की सेना की नाराज़गी के बाद गैरकानूनी घोषित होने वाली पहली पार्टी नहीं होगी। 1960 के दशक में, धार्मिक जमात-ए-इस्लामी पार्टी को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया था। 1970 के दशक के दौरान, वामपंथी राष्ट्रीय अवामी पार्टी को भी अवैध घोषित कर दिया गया था। 1999 में एक सैन्य तख्तापलट में सत्ता पर कब्जा करने के बाद लगभग नौ वर्षों तक देश पर शासन करने वाले जनरल परवेज मुशर्रफ के तहत कई सांप्रदायिक और धार्मिक संगठनों को प्रतिबंधित कर दिया गया था। कराची स्थित मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट को भी अतीत में एक अनौपचारिक प्रतिबंध का सामना करना पड़ा है, जैसा कि 1977 से 1988 तक जनरल जिया-उल हक की सैन्य तानाशाही के दौरान पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने किया था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग से मुलाकात की

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सिडनी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों से और आगे जाने तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाने की अपनी क्षमता का तेजी से प्रदर्शन कर रहे हैं। जयशंकर ने वोंग के साथ अपनी बैठक को 'शानदार' करार दिया। उन्होंने ट्वीट किया, 'आज दोपहर ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ एक शानदार बैठक की। प्रधानमंत्रियों के शिखर सम्मेलन के बाद की कार्रवाई शुरू हो गई है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंधों से और आगे जाने तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाने की अपनी क्षमता का तेजी से प्रदर्शन कर रहे हैं।' वहीं, वोंग ने ट्वीट किया, 'एंथनी अल्बनीज के साथ नरेन्द्र मोदी और एस जयशंकर से मिलना सम्मान की बात है। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है, हमारा रिश्ता तीन 'डी' डेमोक्रेसी (लोकतंत्र), डायस्पोरा (प्रवासी समुदाय) और दोस्ती पर आधारित है।

हम द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए अपनी साझेदारी में लगातार निवेश कर रहे हैं।' इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक में मोदी ने अल्बनीज को ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की घटनाओं और खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों को लेकर भारत की चिंताओं से अवगत कराया।

ड्रैगन ने माइक्रोन चिप्स पर लगाई पांबदी, बाइडेन प्रशासन टेंशन में

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन की एक हरकत से अमेरिका टेंशन में आ गया है। साथ ही चीन की हरकत पर अमेरिका ने चिंता जाहिर की है। दरअसल चीन ने घरेलू उद्योगों में माइक्रोन टेक्नोलॉजी के चिप्स की बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया है। इसके बाद दो शक्तियों के बीच फिर से तू-तू मैं-मैं शुरू हो गई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने इस लेकर चिंता व्यक्त कर कहा कि चीन ने कुछ घरेलू उद्योगों में माइक्रोन चिप्स की बिक्री को प्रतिबंधित किया है।

मिलर ने कहा, हमें बहुत गंभीर चिंता है, कि चीन ने कुछ घरेलू उद्योगों में माइक्रोन चिप्स की बिक्री को प्रतिबंधित किया है। जैसा कि प्रौद्योगिकी को लेकर अमेरिका और चीन के बीच शक्ति का संघर्ष जारी है, चीन के साइबरस्पेस प्रशासन ने घोषणा की कि यूएस चिप फर्म साइबर सुरक्षा मूल्यांकन में विफल रही, इसकारण इस पर प्रतिबंध लगाया गया है।

प्रतिबंध को एक 'असंगत कार्रवाई' कहते हुए, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मिलर ने कहा, वाणिज्य विभाग हमारे विचार को स्पष्ट करने के लिए पीआरसी के साथ सीधे जुड़ रहा है। उन्होंने कहा, हमें बहुत गंभीर चिंता है कि पीआरसी ने घरेलू उद्योगों में माइक्रोन चिप्स की बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया है।

वहीं चीनी नियामक, सीएसी ने कहा, समीक्षा में पाया गया कि माइक्रोन के उत्पादों में अपेक्षाकृत गंभीर साइबर सुरक्षा जोखिम हैं, जो चीन की महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना आपूर्ति श्रृंखला के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा जोखिम पैदा करते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करते हैं। चीनी नियामक का निर्णय साइबर सुरक्षा जोखिमों के लिए माइक्रोन के उपकरणों की जांच शुरू करने के सात सप्ताह बाद आया। अमेरिका में मैमोरी चिप्स के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक माइक्रोन है। उनकी आय का 10 प्रतिशत से अधिक चीन की मुख्य भूमि से आता है।

सजा पूरी होने के बाद भी 500 से अधिक भारतीय पाक की जेलों में कैद

-आरटीआई में हुआ बड़ा खुलासा, सीएमचआरआई ने खोली पाकिस्तान की पोल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एक आरटीआई में बड़ा खुलासा हुआ है। इसमें 500 सौ भारतीय लोगों को पाकिस्तान की जेलों में सजा पूरी होने के बाद भी बंद बताया जा रहा है। हालांकि पाकिस्तानी जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में कराची की एक जेल में बंद 198 भारतीय मछुआरों के जत्थे को बीते 13 मई को वाघा सीमा पर भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया। हालांकि, सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत विदेश मंत्रालय (एमईए) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, गैर-मछुआरों सहित 500 से अधिक अन्य भारतीय अपनी सजा की अवधि पूरी करने के बावजूद पड़ोसी देश की जेलों में बंद हैं। पिछले दो वर्षों में कॉमनवेल्थ ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव (सीएचआरआई) के वेंकटेश नायक द्वारा दायर एक के बाद एक आरटीआई आवेदनों के जवाब में विदेश मंत्रालय ने कहा कि 455 मछुआरे-

उनमें से सभी को 2018 से गिरफ्तार किया गया है और छह महिलाएं सहित 51 भारतीय कैदी (सिविल) या गैर -मछुआरे अब भी पाकिस्तान की जेलों में बंद हैं।

आंकड़ों से पता चलता है कि 2018 में 45 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि 2019 में 138, 2020 में 130, 2021 में 221 और 2022 में 120 को। 198 मछुआरों की रिहाई और अपनी रिहाई से एक सप्ताह एक की मौत के बाद, 455 मछुआरे अभी भी पड़ोसी देश में सलाखों के पीछे हैं। सभी मछुआरे कराची के लांधी शहर में बने मलीर जिला जेल और सुधार गृह में बंद हैं। पाकिस्तान मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कराची के मलीर जेल को अधिकतम 1800 कैदियों को रखने के लिए बनाया गया था। हालांकि, दिसंबर 2022 तक यहां 7000 कैदियों को रखा जा रहा है। सभी 455 मछुआरों को पाकिस्तान के मत्स्य अधिनियम, 1987 के तहत हिरासत में लिया गया है।

आरटीआई के आंकड़ों में कहा गया है कि 1 जनवरी तक पाकिस्तान की जेलों में बंद 51 'भारतीय कैदियों (सिविल)' में से नौ पर पाकिस्तान के आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए), 1923 के तहत आरोप लगाए गए हैं। नौ में से छह, जिन्हें ओएसए के तहत दोषी ठहराया गया है, अपनी सजा काट रहे हैं, जबकि दो अन्य विचाराधीन हैं। सीक्रेट एक्ट के तहत दोषी ठहराए गए नौ कैदियों में से एक ने दिसंबर 2021 में अपनी पांच साल की सजा पूरी कर ली, हालांकि, 1 जनवरी तक और उसके बाद से वह लाहौर के सेंट्रल जेल में ही है। आरटीआई डाटा से यह भी पता चलता है कि 2008 में भारत और पाकिस्तान द्वारा हस्ताक्षरित एक समझौते के बावजूद, कैदियों तक राजनयिक पहुंच में अक्सर देरी होती है।

चीन में आई कोरोना की नई लहर, सामने आए करोड़ों मरीज

-भारत में भी कोरोना मामलों की संख्या में हुई वृद्धि, बढ़ी चिंता

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया कोरोना के भयावह दौर से अब धीरे-धीरे बाहर आ रही है। हालांकि कई जगहों पर बढ़ते मामले इस बात का सबूत हैं कि खतरा अभी टला नहीं है। सबसे बुरा हाल चीन का है जो एक के बाद एक संक्रमण की लहर का सामना कर रहा है। एक बार फिर चीन में कोरोना की नई लहर देखी जा रही है, जिसमें जून के आखिर तक हर हफ्ते 6.5 करोड़ मामले देखे जा सकते हैं। श्वसन रोग विशेषज्ञ झोंग नानशान ने ग्वांगझू की एक बायोटेक कॉन्फ्रेंस में यह खतरनाक भविष्यवाणी की है। झोंग की यह चेतावनी ओमीक्रोन के सबवैरिएंट एक्सबीबी को लेकर आई है जिसके चलते अप्रैल के आखिर से पूरे चीन में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं।

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार एक्सबीबी के मई आखिर तक हर हफ्ते 4 करोड़ और एक महीने बाद 6.5 करोड़ मामले सामने आने की उम्मीद है। करीब छह महीने पहले ही बीजिंग ने अपने जीरो कोविड प्रतिबंधों को खत्म किया है। नागरिकों के कड़े विरोध के बाद प्रतिबंध हटा तो लिए गए, लेकिन इससे 1.4 अरब लोगों पर वायरस की चपेट में आने का खतरा पैदा हो गया। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने इस महीने की शुरुआत में अपने साप्ताहिक आंकड़ों को अपडेट करना बंद कर दिया। लिहाजा अब चीन में कोविड-19 स्थिति की वास्तविकता का अंदाजा लगा पाना मुश्किल है।

अगर चीन में कोरोना के मामले बढ़ते हैं तो यह भारत के लिए भी चिंता की बात हो सकती है, क्योंकि जब-जब चीन में कोरोना की लहर आती है, भारत में भी कोरोना मामलों की संख्या में वृद्धि देखी गई है। झोंग के अनुमान से पता चलता है कि चीन में पिछले साल के आखिर और जनवरी में आई पिछली लहर की तुलना में संक्रमण की यह नई लहर ज्यादा म्यूटेड होगी। उस समय एक अलग ओमीक्रोन सबवैरिएंट ने 3.7 करोड़ लोगों को प्रतिदिन संक्रमित किया था। सोशल मीडिया पर आईं तस्वीरों और वीडियो में लाशों और मरीजों से भरे अस्पताल और श्मशान दिखाई दे रहे थे। बड़ी संख्या में लोगों को दवाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।

नए उभरते खतरे से निपटने के लिए चीन

नए टीकों के साथ अपने वैक्सीन भंडारण को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जो प्रमुख रूप से एक्सबीबी सब-वैरिएंट से बचाव करते हैं। देश के ड्रग रेगुलेटर ने पहले ही इस तरह के दो टीकों को शुरुआती मंजूरी दे दी है। अन्य तीन या चार को भी जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार समूह ने हाल ही में सिफारिश की थी कि इस साल के कोविड-19 बूस्टर शॉट्स को एक्सबीबी सब-वैरिएंट से बचाव के लिए अपडेट किया जाए।

कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडीज को दी विदेश यात्रा की अनुमति

–200 करोड़ की जबरन वसूली केस में आरोपी हैं जैकलीन

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को 25 मई से 12 जून तक विदेश जाने की अनुमति दी, जो 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के मामले में आरोपियों में से एक हैं, जिसमें सुकेश चंद्रशेखर शामिल हैं। जैकलीन द्वारा एक आवेदन दायर किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें आईफा अवार्डस में भाग लेने के लिए 25 मई से 27 मई तक अबू धाबी की यात्रा करने और फिल्म की शूटिंग के लिए 28 मई से 12 जून तक मिलान की यात्रा करने की जरूरत है। पटियाला हाउस कोर्ट के विशेष न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक ने उन्हें विदेश जाने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने 15 नवंबर को जैकलीन को अग्रिम जमानत दी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में जैकलीन को एक आरोपी के रूप में नामित करते हुए अपनी दूसरी पूरक चार्जशीट दायर की थी। अदालत ने 26 सितंबर को उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था। जैकलीन और एक अन्य बॉलीवुड हस्ती नोरा फतेही ने मामले में गवाह के तौर पर अपने बयान दर्ज कराए हैं। इससे पहले जैकलीन की 7.2 करोड़ रुपये की संपत्ति और सावधि जमा ईडी द्वारा कुर्क की गई थी, जिसने इन उपहारों और संपत्तियों को अभिनेता द्वारा प्राप्त अपराध की आय करार दिया था। फरवरी में ईडी ने चंद्रशेखर की कथित सहयोगी पिंकी ईरानी के खिलाफ अपना पहला पूरक आरोप पत्र दायर किया था, जिसने उन्हें बॉलीवुड अभिनेताओं से मिलवाया था। चार्जशीट में आरोप लगाया गया था कि पिंकी जैकलीन के लिए महंगे उपहार चुनती थी और चंद्रशेखर द्वारा भुगतान किए जाने के बाद उन्हें उनके आवास पर छोड़ देती थी। दिसंबर 2021 में जांच एजेंसी ने इस मामले में पहली चार्जशीट फाइल की थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार चंद्रशेखर ने विभिन्न मॉडलों और बॉलीवुड हस्तियों पर लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। कुछ लोगों ने उनसे तोहफे लेने से इनकार कर दिया था।

गूगल पर किया नंबर सर्च तो खाते से रुपया हुआ गायब

नागपुर। फ्लाइट टिकट बुक करने के लिए गूगल पर ऑनलाइन सर्च करना एक शख्स को भारी पड़ गया जब गूगल में दिए गए नंबर पर कॉल करने पर उक्त शख्स के बैंक खाते से 1 लाख 47 हजार 785 रुपए साइबर ठग ने उड़ा लिया। शिकायतकर्ता नागपुर से दिल्ली और दिल्ली से नागपुर के लिए ऑनलाइन फ्लाइट टिकट बुक करना चाहता था। उसने गूगल पर सर्च किया। इसके बाद ऑनलाइन एक पेज खुला। उसने उस पेज पर अपनी जानकारी भरी। कुछ देर बाद उन्हें मैसेज आया कि उनके खाते से एक लाख 47 हजार 785 रुपए की राशि कट गई है। मैसेज देखकर वह चौंक गए। यह घटना बुधवार 17 मई की है। पीड़ित शख्स ने साइबर पुलिस को सारी घटना बताई। पुलिस ने तकनीकी जांच की। जिस खाते में पैसा ट्रांसफर किया गया था उस खाते से पैसा निकालकर पीड़ित को समूचा रकम वापस उसके खाते में स्थानांतरित कर दी गई। वापस की गई राशि को देखकर पीड़ित शख्स संतुष्ट हो गया। उन्होंने पुलिस के प्रति आभार जताया।

मुंबई में हर रोज हार्ट अटैक से 26 और कैंसर से 25 लोगों की हो रही मौत

मुंबई। मुंबई में स्वास्थ्य से जुड़ी एक चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आई है. खबर है कि मुंबई में हर रोज हार्ट अटैक से 26 और कैंसर से 25 लोगों की मौत हो रही है. यह चौंकाने वाला आंकड़ा 2022 की आरटीआई रिपोर्ट में सामने आया है. दरअसल इस साल किस बीमारी से कितने लोगों की मौत हुई, आरटीआई के तहत इसकी जानकारी मांगी गई थी. इस रिपोर्ट में कोरोना की वजह से होने वाली मौतों की संख्या उनसे कम दिखाई दी. लेकिन हार्ट अटैक से हर रोज मुंबई में 26 लोगों की मौत का आंकड़ा सामने आया. 2020 में कोविड से मुंबई में 10 हजार 289 लोगों की मौत हुई.2021 में 11 हजार 105 मौतें हुईं. 2022 में मौतों की संख्या 1891 तक पहुंच गई. 2022 में टीबी की वजह से भी कई मौतें हुईं. इस साल टीबी से 3 हजार 281 मरीजों की मौत हुई. 2018 में यह संख्या 4 हजार 940 तक थी. मुंबई के चेतन कोठारी नाम के आरटीआआई कार्यकर्ता ने यह जानने के लिए कि मुंबई में किस बीमारी से कितने लोगों की मौत हो जाती है, आरटीआई के तहत जानकारी मांगी थी. मुंबई महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग से यह जानकारी देने की मांग की गई थी. इससे जो रिपोर्ट सामने आई उसके मुताबिक हार्ट अटैक से साल 2022 में सबसे ज्यादा मौत होने की बात सामने आई.

– बदलती हुई जीवन शैली बन रही है हार्ट अटैक बढ़ाने की वजह–रिपोर्ट

हार्ट अटैक और उससे होने वाली मौतें मुंबईकरों के लिए चिंता का मुद्दा बनता जा रहा है .केईएम अस्पताल के डॉक्टर प्रफुल्ल केरकर के मुताबिक बड़ी चिंता की बात तो यह है कि हार्ट अटैक से मरने वालों में बड़ी तादाद युवाओं की है. विश्व स्तर की बात करें तो हार्ट अटैक से मरने वालों की तादाद दुनिया भर में बढ़ी है. युवाओं में हार्ट अटैक से होने वाली मौतों की संख्या सबसे ज्यादा दिखाई दे रही है. चलने–फिरने में कमी, पोषक आहार ना लेने, टाइमली खाना ना खाने, घर से बाहर निकलते ही एसी वाली गाड़ी में सफर करने जैसे कई कारण ऐसे हैं जो आधुनिक समय के जीने के तरीके की ओर इशारा करते हैं. ये सारी चीजें हार्ट अटैक को बढ़ावा देने में मददगार साबित हो रही हैं.

25 मई से शुरु होगा नौतपा, प्रचंड गर्मी वाले दिनों में भी तापमान रहेगा कम

नई दिल्ली (ईएमएस)। गुरुवार 25 मई से नौतपा शुरु होने वाला है। इन दिनों में आमतौर पर गर्मी अधिक पड़ती है, लेकिन इस बार नौतपा में बारिश होने के आसार बन रहे हैं। विशेषज्ञों की मानें तो लगातार बदल रहे मौसम के बीच इस बार नौतपा में बारिश होगी। सबसे गर्म माने जाने वाले इन नौ दिनों में भी गर्मी तो होगी, मगर चुभन अपेक्षाकृत कम रहेगी। इन दिनों में लू की संभावना न के बराबर है, तापमान अपेक्षाकृत कई डिग्री कम रहेगा। गुरुवार को सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ ही 25 मई से नौतपा शुरू हो जाएगा। ज्योतिषविदों के अनुसार, नौतपा के दौरान गर्मी जितनी भीषण पड़ती है, बारिश उतनी ही अच्छी होती है। नौतपा में सूर्य की तेज किरणें सीधी धरती पर पड़ती हैं, जिससे धरती का तापमान तेजी से बढ़ता है। लेकिन, मौसमी गतिविधियों के चलते इस बार नौतपा में भी अलग हालात रहेंगे। इस बार नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने व राजस्थान के ऊपर अपर साइक्लोनिक सिस्टम बनने से 23 से 27 मई के बीच दिल्ली सहित उत्तर भारत के सभी हिस्सों में ज्यादा गर्मी नहीं पड़ेगी। धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारिश से तापमान में गिरावट आएगी। अगले कई दिनों तक लू चलने की संभावना नहीं है। नौतपा के दिनों में जहां तापमान 44 से 45

डिग्री तक रहता रहा है, वहीं इसकी तुलना में सात से आठ डिग्री तक कम रह सकता है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा के प्रधान विज्ञानी डॉ. जेपीएस डबास ने बताया कि मौसम के इस बदलाव से फसल को हानि पहुंचाने वाले कीड़े नहीं मर पाएंगे। इससे गन्ने, धान व सब्जियों की फसल को नुकसान होगा। लू नहीं चलने से आम, खरबूजे और तरबूज में मिठास कम हो रही है। ज्यादा गर्मी न पड़ने पर मच्छर भी नहीं मर पाएंगे। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन का असर इन नौ दिनों पर भी पड़ा है। नौतपा अमूमन मई के अंतिम सप्ताह से जून के पहले सप्ताह के दौरान ही पड़ता है। दिल्ली के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2020, 2021 और 2022 में भी इन दिनों में अधिक गर्मी नहीं पड़ी। वहीं, इस संबंध में स्काईमेट वेदर (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन) के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने बताया कि फिलहाल भले ही अच्छी गर्मी पड़ रही है, लेकिन बुधवार से पश्चिमी विक्षोभ और अपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन का जो असर देखने को मिलेगा, उससे स्थितियां बदल जाएंगी। अभी जो तापमान 45 के पार जा रहा है, वह घटकर 36–37 डिग्री तक आ जाएगा। अभी अगले कुछ दिन उस स्तर की गर्मी पड़ने की कोई संभावना नहीं लग रही, जिसके लिए नौतपा जाना जाता है।

विपक्षी एकता में जुटे नीतीश कुमार ने केसी त्यागी को दी बड़ी जिम्मेदारी, ऐसे करेंगे पार्टी की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए हैं। हाल में ही नीतीश कुमार ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से दिल्ली में मुलाकात की थी। इसके बाद खबर यह आई थी कि एक-दो दिनों में विपक्षी दलों को लेकर कोई बड़ा निर्णय लिया जा सकता है। इन सबके बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा फैसला लिया है। नीतीश कुमार ने जद (यू) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी को पार्टी का विशेष सलाहकार और मुख्य प्रवक्ता नियुक्त करके विपक्षी एकता के अभियान में लगे रहने के अपने इरादे को मजबूत किया है। केसी त्यागी पांच दशकों से राजनीति में हैं और वह देश के अधिकांश समाजवादी नेताओं के अधीन काम करने का अनुभव रखते हैं।

माना जा रहा है कि त्यागी 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा बनाने में सहायक हो सकते हैं। त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार मेरी पसंद के नेता हैं। मैंने उनसे मेरी सांगठनिक जिम्मेदारियों से मुक्त करने का अनुरोध किया था, जिसे दो महीने पहले स्वीकार कर लिया गया था। इसके साथ ही त्यागी ने कहा कि विपक्षी दलों के बीच अंतर्विरोधों को समाप्त करने और अगले आम चुनावों के लिए एक साथ आने के उनके वर्तमान प्रयास को देखते हुए बिहार ने उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा, 'मैंने अपना राजनीतिक करियर चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व में शुरू किया और कई दिग्गजों के अधीन काम किया है और लंबे समय तक नीतीश जी के अधीन काम किया है।'

त्यागी की 'विशेष सलाहकार और मुख्य प्रवक्ता' के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जद (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह द्वारा जारी की गई थी। ललन ने एक बयान में कहा कि केसी त्यागी समाजवादी आंदोलन से जुड़े एक अनुभवी नेता हैं और उन्होंने स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह (पूर्व पीएम) और नीतीश कुमार (बिहार के सीएम) के साथ मिलकर काम किया है। हम उनके संगठनात्मक अनुभव का लाभ उठाना चाहते हैं। इससे पहले 21 मार्च को, जब जद (यू) ने अपने नए अध्यक्ष ललन सिंह के नेतृत्व में अपने 32 सदस्यीय राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची जारी की, तो त्यागी का नाम स्पष्ट रूप से सूची से गायब था।

आप नेता संजय सिंह ने ईडी की कार्रवाई को बताया अवैध

नई दिल्ली (ईएमएस)। आप नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को जारी ईडी की कार्रवाई को अवैध बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उनके करीबी सहयोगी अजीत त्यागी और सर्वेश मिश्रा के परिसरों पर तलाशी अभियान चला रहा है। ईडी ने अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है,

लेकिन सूत्रों ने बताया कि दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। छापेमारी के तुरंत बाद संजय सिंह ने ईडी पर हमला बोला और उसकी कार्रवाई को अवैध बताया। सिंह ने हिंदी में ट्वीट किया, सरकार की गुंडागर्दी चरम पर है। मैं इस तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं। मैंने ईडी की फर्जी जांच का पदार्फाश पूरे देश के सामने किया है। ईडी ने अपनी गलती मानी, जब उन्हें कुछ नहीं मिला तो आज ईडी ने मेरे साथी अजीत त्यागी और सर्वेश मिश्रा के घर पर छापा मारा। सर्वेश के पिता कैंसर से पीड़ित हैं। यह अन्याय की पराकाष्ठा है। कितना भी अपराध हो, लड़ाई जारी रहेगी। गौरतलब है ?कि ईडी ने आबकारी नीति घोटाला मामले में एक चार्जशीट और तीन पूरक आरोप पत्र दाखिल किया।

राजद, द्रमुक और राकांपा ने नई संसद भवन उद्घाटन समारोह का बहिष्कार का फैसला किया

–कांग्रेस सहित 19 दलों का सामूहिक बहिष्कार का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सहित विपक्ष के 19 दलों ने कहा कि वे संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह का सामूहिक बहिष्कार करने वाले हैं, क्योंकि इस सरकार में संसद से लोकतंत्र की आत्मा को निकाल दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उद्घाटन समारोह से दरकिनार कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन करने का फैसला लोकतंत्र पर सीधा हमला है।

राजद (राष्ट्रीय जनता दल), द्रमुक और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) ने 28 मई को दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने की घोषणा की। 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में कांग्रेस सहित और भी विपक्षी दलों के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष की इस मांग के बीच कि राष्ट्रपति को नए भवन का उद्घाटन करना चाहिए, समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों के नेताओं ने इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया और सदन के नेताओं द्वारा कार्यक्रम के संयुक्त बहिष्कार पर एक संयुक्त बयान जल्द ही जारी किया जा सकता है।

राजद नेता मनोज झा ने कहा कि बहिष्कार एक एकजुट विपक्ष का संदेश है कि पीएम मोदी नए संसद भवन का उद्घाटन करना भारत के संविधान के खिलाफ है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नई संसद का उद्घाटन करना चाहिए। उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा, सभी विपक्षी दलों ने 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने का फैसला किया है

राकांपा भी नहीं होगी शामिल

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) 28 मई को दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। पार्टी प्रवक्ता ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। राकांपा प्रवक्ता ने कहा कि राकांपा ने अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर यह फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। तृणमूल कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को घोषणा की थी कि वे 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगी। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों की मांग है कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराया जाए।

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने ट्वीट किया था, संसद सिर्फ एक नई इमारत नहीं है, यह पुरानी परंपराओं, मूल्यों, मिसालों और नियमों के साथ एक प्रतिष्ठान है, यह भारतीय लोकतंत्र की नींव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह बात नहीं समझते हैं। रविवार को नई इमारत का उद्घाटन उनके लिए सिर्फ मैं, मैं और मैं के बारे में है। इसलिए हमारी गिनती इससे बाहर करें।

भाकपा महासचिव डी राजा ने कहा था कि उनकी पार्टी उद्घघाटन समारोह में शामिल नहीं होगी। 'आप' सांसद संजय सिंह ने ट्वीट किया था, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित न करना उनका घोर अपमान है। यह आदिवासियों का भी अपमान है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राष्ट्रपति को आमंत्रित नहीं करने के विरोध में आम आदमी पार्टी उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करेगी।

राहुल ने नया साधारण पासपोर्ट पाने एनओसी के लिए कोर्ट का खटखटाया दरवाजा

–नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वामी ने दायर किया है आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को एक सांसद के रूप में अपनी अयोग्यता पर अपने राजनयिक यात्रा दस्तावेज को सरेंडर करने के बाद एक नया साधारण पासपोर्ट पाने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के लिए दिल्ली की एक अदालत का रुख किया। राहुल ने उनके और उनकी मां सोनिया गांधी, उनकी कंपनियों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर नेशनल हेराल्ड मामले में एक आवेदन दायर किया है। 1 नवंबर 2012 को स्वामी ने अदालत में एक निजी शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों ने अपनी स्वामित्व वाली निजी कंपनी यंग इंडियन के माध्यम से एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नामक सार्वजनिक रूप से सीमित कंपनी का अधिग्रहण करके 16 अरब रुपये की धोखाधड़ी की और जमीन हड़प ली है।

अदालत ने 19 दिसंबर 2015 को मामले में राहुल गांधी और अन्य को जमानत दे दी थी। राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट वैभव मेहता ने गांधी की अर्जी पर स्वामी से जवाब मांगा है। आवेदन में कहा गया है कि आवेदक मार्च 2023 में संसद सदस्य नहीं रहा और इस तरह उसने अपने राजनयिक पासपोर्ट को सरेंडर कर दिया और एक नए साधारण पासपोर्ट के लिए आवेदन कर रहा है और इस न्यायालय से अनुमति और अनापत्ति प्रमाणपत्र मांग रहा है। अदालत ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए बुधवार को सूचीबद्ध किया है।

नदियों पर ही नहीं, झीलों पर भी पड़ रहा गर्मी का प्रकोप का असर

– चिंताजनक स्तर तक सिकुड़ गए विशाल झीलें एवं जलाशय

नईदिल्ली (एजेंसी)। ताजा अध्ययन में बताया है कि उत्तरी गोलार्द्ध में भीषण गर्मी का असर नदियों पर ही नहीं बल्कि झीलों पर भी पड़ रहा है और दुनिया की आधी से ज्यादा विशाल झीलें और जलाशय 1990 के आकार की तुलना में बहुत ही चिंताजनक स्तर तक सिकुड़ गए हैं। इससे कृषि, जलशक्ति, मानव आपूर्ति संबंधी आवश्यकताओं के लिए चुनौती होगी।

एक अध्ययन में बताया गया है कि झीलों में जमा पानी की मात्रा अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों ही तरहके जलवायु उतार चढ़ाव को प्रतिबिम्बित करता है।लेकिन झीलों में जमा पानी की मात्रा में बदलाव का जलवायु से संबंध बहुत ही जटिल होगा।शोधकर्ताओं ने पाया है कि तीन दशकों से साफ के स्रोत के रूप में यूरोप का कैस्पियन सागर से लेकर एशिया में और दक्षिण अमेरिका की टिटिकाका झील में भी कुल 22 गीगाटन प्रति वर्ष के पानी का नुकसान हो रहा है।

शोधपत्र में बताया गया है कि झीलें विविध प्रकार के पारिस्थितिकी तंत्र को सहेजती हैं और साथ ही कृषि जलशक्ति, और अन्य मानव उपयोगों के लिए पानी का भंडार करके रखती हैं।इन्हें अक्सर जलवायु परिवर्तन का सेन्टिनल्स कहा जाता है।इनमें वर्षण, वाष्पन उत्सर्जन जैसी कई प्रक्रियाओं की भागीदारी होती है। प्राकृतिक झीलों में जलवायु के गर्म होने और मानव उपयोग के कारण करीब 56 फीसद कमी होती देखी गई है।जिसमें ग्लोबल वार्मिंग का अधिक योगदान है।वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट मापन के साथ जलवायु और हाइड्रलॉजिकल प्रतिमानों के जरिए करीब 2 हजार बड़ी झीलें का आंकलन किया है और पाया है कि सूखती झीलों के आसपास रहने वाली करीब 2 अरब लोग हाल के सालों में सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं।

उद्धव ठाकरे से मिले सीएम केजरीवाल, मातोश्री से पीएम मोदी पर साधा निशाना

– लोकतंत्र संकट में है, सभी को साथ आना चाहिए– सीएम भगवंत मान

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को मुंबई में राज्य के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से उनके निवास स्थान मातोश्री में मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की. उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने हम सब से सत्ता छीन ली है। जिस दिन परिणाम आया उस तारीख से 8 दिनों के भीतर अध्यादेश जारी किया और शक्तियां वापस ले ली गईं। केजरीवाल ने कहा कि इसका मतलब है कि हम सुप्रीम कोर्ट का सम्मान नहीं करते हैं. यह उनकी फितरत है कि सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला देगा हम उसे नहीं मानेंगे। केजरीवाल ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है और उनके खिलाफ अभियान चलाया जाता है। महाराष्ट्र में शिवसेना में बगावत के बाद हुए घटनाक्रम पर बात करते हुए सीएम केजरीवाल ने कहा कि सबसे ज्यादा सहन शिवसेना कर रही है. उन्होंने सीबीआई, ईडी का इस्तेमाल करके बहुमत वाली जनता की सरकार को उखाड़ फेंका। अगर सरकार नहीं बनी तो विधायकों को तोड़ कर अध्यादेश पारित करने की कोशिश की जा रही है. शिवसेना ने हमसे वादा किया है कि जब यह मुद्दा संसद में आएगा तो वे हमारा समर्थन करेंगे। अध्यादेश हटाकर उन्होंने हमारी सत्ता छीन ली। यह अहंकार का परिणाम है। राज्यपाल ने कहा कि पंजाब में बजट सत्र नहीं होगा. अगर ऐसा है तो सिर्फ प्रधानमंत्री और राज्यपाल को ही बैठना चाहिए. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि लोकतंत्र संकट में है और चुने हुए लोगों के बजाय सलेक्टेड लोग हैं। अपने पसंदीदा राज्यपाल का चुनाव कर उन्हें बैठाया जाता है। राजभवन भाजपा का प्रधान कार्यालय बन गया है और भाजपा नेता अधिकारी बन गए हैं। उनका यही रवैया है कि हम राज करेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आगे कहा कि देश को बचाने के लिए सभी को साथ आना चाहिए। 2024 में अगर ये आए तो देश का संविधान बदल जाएगा। मोदी जी अब जिस तरह का बर्ताव कर रहे हैं, जब वह 2024 में आएंगे तो घोषणा करेंगे कि अगले 40 वर्षों तक मैं ही रहूंगा।

खास होने वाली है महाकुंभ 2023 की थीम, योगी सरकार ने तैयारियों को लेकर जारी किए दिशा निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेला-2025 को भव्य बनाने के लिए सीएम योगी ने विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि महाकुम्भ मेला-2025 का लोगो और थीम जल्द से जल्द बना लिया जाए। साथ ही, प्रयागराज में पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न मंदिरों के सौंदर्यीकरण के अलावा इसके प्रचार-प्रसार और आने वाले भक्तों के लिए नागरिक सुविधाओं का विकास करने पर जोर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार हर बार की तरह 2025 में होने जा रहे महाकुंभ को भी वृहद स्तर पर आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। महाकुंभ-2025 में देश और दुनिया से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की बुनियादी जरूरतों के साथ ही सरकार उन्हें भव्य और दिव्य महाकुंभ का दर्शन भी कराएगी।

मंदिरों का होगा सौंदर्यीकरण

महाकुंभ-2025 की तैयारियों को लेकर जो निर्देश दिए गए हैं, उनमें प्रयागराज स्थित भारद्वाज आश्रम, द्वादश माधव मंदिर, नागवासुकी मंदिर, दशाश्वमेध मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, अलोपशंकरी मंदिर, पड़िला महादेव मंदिर, पंचकोशी परिक्रमा पथ के अन्तर्गत आने वाले मंदिर, कोटेश्वर महादेव, कल्याणी देवी, डिजिटल कुंभ म्यूजियम, तक्षक तीर्थ, करछना, अक्षयवट या पलापुरी मंदिर, हनुमान मंदिर, फ्लोटिंग जेटी और रेस्टोरेन्ट, राही इलावर्त होटल, त्रिवेणी दर्शन और तीन प्रवेश द्वारा को सौन्दर्यीकरण कराने को कहा गया है। इसके अलावा महाकुम्भ-2025 के प्रचार-प्रसार के लिए ट्रैवल तथा टूर ऑपरेटर्स को आमंत्रित करते हुए कान्क्लेव का आयोजन करने, भारतीय एवं विदेशी भाषाओं में कुंभ के प्रचार-प्रसार के लिए पर्यटन साहित्य का प्रकाशन करने, प्रयागराज में अस्थाई टेन्ट कालोनी की स्थापना करने, आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्थाई बस स्टेशन एवं रेलवे स्टेशन पर पर्यटन सूचना केन्द्र बनाने के निर्देश दिए हैं।

एडवेंचर गतिविधियों को भी किया जाएगा प्रोत्साहित

यही नहीं, योगी सरकार ने अस्थाई थिमैटिक गेटों का निर्माण शुरु करने, साहसिक पर्यटन के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों तथा आयोजनों का संचालन (प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर शो, हॉट एयर बैलून-शों, ड्रोन-शो, एरो स्पोट्र्स, हेलीकाप्टर ज्वॉय राइड, पैरा ग्लाइडिंग, पेरा मोटरिंग आदि) की व्यवस्था शुरू की जाए। पर्यटन सेवा प्रदाताओं (गाइड्स, आटों-रिक्शा ड्राइवर्स, वेन्डर्स बोटमैन) को प्रशिक्षण दिया जाए। सभी राज्यों की संस्कृति को दर्शाते हुए पवेलियन की स्थापना की जाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com